वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 197 | बुधवार 15 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

शहर हुआ रोशन....

दीपोत्सव पर गुलाबी नगरी को निहारने के लिए दूसरे राज्यों से भी लोग यहां आए और जमकर लुत्फ उठाया...

दिवाली पर सजावटी रोशनी में जौहरी बाजार प्रथम, चौड़ा रास्ता द्वितीय और चांदपोल बाजार तृतीय रहा

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर राहुल प्रकाश ने बताया कि कमेटी में समिति के मनोनीत सदस्य महाराज अलबेलीशरण, शान्ति समिति के सदस्य प्रभाती लाल बैरवा, प्रवीण, वीरेंद्र राणा, श्रीनारायण शर्मा, मोइनुद्दीन नारू, सुभाष लोहिया, ताहिर उल्ला, गुलरेज अली एवं समन्वयक अधिकारी एडीसीपी नोर्थ बृजेन्द्र सिंह भाटी सम्मिलित थे।

जयपुर. कासं

पुलिस ने दीपावली पर बाजारों में की जाने वाली विशेष रोशनी, सफाई व्यवस्था, सजावट पुरस्कारों की घोषणा की है। पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ पुरस्कारों की घोषणा का निर्णय कमेटी के द्वारा किया गया है जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सांत्वना पुरस्कार घोषित किए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर राहुल प्रकाश ने बताया कि कमेटी में समिति के मनोनीत सदस्य महाराज अलबेलीशरण, शान्ति समिति के सदस्य प्रभाती लाल बैरवा, प्रवीण, वीरेंद्र राणा, श्रीनारायण शर्मा, मोइनुद्दीन नारू, सुभाष लोहिया, ताहिर उल्ला, गुलरेज अली एवं समन्वयक अधिकारी एडीसीपी नोर्थ बृजेन्द्र सिंह भाटी सम्मिलित थे।

एमआई रोड को मिला प्रथम पुरस्कार

परकोटे के बाजार

प्रथम-जौहरी बाजार, द्वितीय-चौड़ा रास्ता, तृतीय-चांदपोल बाजार को और सांत्वना पुरस्कार त्रिपोलिया बाजार को दिया।

परकोटे के छोटे बाजार

प्रथम-नेहरू बाजार, द्वितीय-इन्द्रा बाजार, तृतीय- सिरहडोडि (हवामहल) को दिया। सांत्वना पुरस्कार गणगौरी बाजार और घाटगेट बाजार को दिया।

गलियों के छोटे बाजार

प्रथम-घी वालों का रास्ता, द्वितीय-लालजी सांड का रास्ता, तृतीय-नाहरगढ़ का रास्ता, सांत्वना पुरस्कार-मोतीसिंह भौमिया का रास्ता

परकोटे के बाहर के बड़े बाजार

प्रथम-एमआई रोड, द्वितीय-राजापार्क, तृतीय - सर्वानंद मार्ग (मामा की होटल), सात्वना पुरस्कार में न्यू सांगानेर रोड (सोडाला), मध्यम मार्ग (मानसरोवर)।

सरकारी भवन में

प्रथम एसएमएस मेडिकल कॉलेज, द्वितीय-जेडीए , तृतीय- नगर निगम ग्रेटर को दिया। सांत्वना पुरस्कार में नगर निगम हैरिटेज व अलबर्ट हॉल

निजी मॉल्स-प्रथम गणपति प्लाजा, द्वितीय - पिंक स्क्वायर, तृतीय- गौरव टावर, धार्मिक स्थल (मन्दिर) प्रथम - स्वामीनारायण मन्दिर (चित्रकूट), द्वितीय - अमरापुरा (एम आईरोड), तृतीय - गुरूद्वारा (वैशालीनगर) और सांत्वना पुरस्कार खोले के हनुमान मंदिर।

अर्चना शर्मा पहुंची जैन मंदिरों में, समाज जनों को दी बधाई

भगवान महावीर निर्वाणोत्सव पर जैन समाज के साथ चढ़ाया निर्वाण लाडू

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के 24 वे तीर्थंकर, अहिंसा पथ प्रदर्शक भगवान शमहावीर के 2550 वा निर्वाणोत्सव तथा गौतम गणधर के केवलज्ञानोत्सव के शुभ अवसर पर निर्वाण लड्डू चढ़ाया। दिगम्बर जैन समाज की युवा नेत्री आस्था जैन ने बताया की इस अवसर पर प्रातः निर्वाण पूजन पश्चात शहर के सभी जैन मंदिरों में निर्वाण लड्डू चढ़ाए गए। मालवीय नगर विधानसभा की कांग्रेस उम्मीदवार डॉ अर्चना शर्मा ने भगवान महावीर के निर्वाणोत्सव पर जैन मंदिरों में पहुंचकर जैन समाज जनों को बधाई दी। भट्टारक जी की नसियाँ नारायण सिंह सर्किल पर राजस्थान जैन सभा द्वारा आयोजित जैन समाज के मुख्य समारोह में, महावीर नगर जैन मंदिर, दुगार्पुरा जैन मंदिर, मालवीय नगर सेक्टर 10 जैन मंदिर, मालवीय नगर ऊब्लॉक जैन मंदिर में पहुंचे और निर्वाण लड्डू चढ़ाए । इस अवसर पर राजस्थान जैन सभा अध्यक्ष सुभाष चंद जैन तथा महामंत्री मनीष बेद ने अपनी पूरी टीम के साथ उनका सम्मान किया।

भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाणोत्सव पर हुआ महाआरती का आयोजन

कामा. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर ने सम्पूर्ण विश्व को अहिंसा परमोधर्म का सिद्धान्त दिया जिसकी वर्तमान में महती आवश्यकता है। जिओ और जीने दो,पंच महाव्रत, स्वादवाद, अनेकान्त वाद जैसे महत्वपूर्ण व जीवन उपयोगी सिद्धान्तों से परिचित करा विश्व समुदाय पर उपकार किया है उक्त उदगार जैन धर्म के अंतिम व चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2550 वें निर्वाणोत्सव पर आयोजित कामां के शांतिनाथ दिगम्बर जैन दिवान मन्दिर में 2550 दीपकों से महाआरती के आयोजन में वक्ताओं ने व्यक्त किये। धर्म जागृति संस्थान के अध्यक्ष संजय सर्राफ के अनुसार सम्पूर्ण भारतवर्ष की जैन समाज द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर भगवान महावीर स्वामी का 2550 वां निर्वाणोत्सव हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। उसी श्रृंखला में कामां में धर्म जागृति संस्थान व ज्ञान विजया महिला मंडल द्वारा सँयुक्त रूप से शांतिनाथ जिनालय में 2550 दीपकों से महाआरती कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन व खुशी जैन द्वारा मंगलाचरण कर किया गया। इस अवसर भक्तामर पाठ की अर्चना कर विश्व शांति की कामना की गई तो वहीं कार्यक्रम का संचालन करते हुए धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या ने कहा कि भगवान महावीर जैन धर्म के 24 वें एवं अंतिम तीर्थंकर थे प्रथम तीर्थंकर थे तो भगवान ऋषभदेव थे। वर्तमान में विश्व युद्ध की विभीषिका में जल रहा है वहाँ भगवान महावीर का अहिंसा सिद्धान्त प्रासंगिक है। इस अवसर पर मनीषा जैन, शकुंतला जैन पुष्पा जैन ने भजन प्रस्तुत किये तो वही रिंकू जैन बड़जात्या ने महावीर भगवान का गुणानुवाद करते हुए कहा कि भगवान की कथा का श्रवण करना भी बड़े पुण्य का कार्य है। कार्यक्रम के अंत में भगवान महावीर स्वामी की 2550 दीपकों से जैन समाज की महिलाओं, पुरुषों व बच्चों ने महा आरती की।

निर्वाण कांड का वाचन करते हुए 21 किलो का लड्डू चढ़ाया

धूमधाम से मनाया मोक्ष कल्याणक महोत्सव, भगवान महावीर के जयकारों से गूंजा पांच मंदिर परिसर

राजेश अरिहंत. शाबाश इंडिया

टोंक। सकल दिगंबर जैन समाज टोंक द्वारा भगवान महावीर स्वामी का 2550 वाँ निर्वाण महोत्सव सोमवार को धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस दिन जिले के सभी जैन मंदिरों में निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। समाज के प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर पुरानी टोंक स्थित पांचो मंदिर में प्रातः भगवान का अभिषेक, शांतिधारा एवं नित्य नियम पूजा की गई तत्पश्चात आदिनाथ मंदिर, चंद्रप्रभु मंदिर, शांतिनाथ मंदिर, नेमिनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ मंदिर, चंद्र प्रभु नसियां, चेत्याल्य आदि में निर्वाण कांड का पठन करते हुए भक्ति भाव के साथ भजन गाते हुए हर्षोल्लास एवं धूमधाम से बैंड- बाजो के साथ जयकारों के बीच सभी मंदिरों में मोक्ष कल्याणक का लड्डू चढ़ाया गया। सायंकाल महावीर भगवान के गणधर गौतम स्वामी के केवल ज्ञान की प्राप्ति के उपलक्ष में मां जिनवाणी की पूजा कर घी के दीपक जलाए गए एवं विनतिया गाई। समाज के अध्यक्ष रमेश छाबड़ा ने कहा कि वर्तमान में संपूर्ण विश्व को भगवान महावीर का ''जिओ और जीने दो'' के सिद्धांत का अनुसरण करना चाहिए भगवान महावीर द्वारा बताए पाँच पाप हिंसा, झूठ ,चोरी, कुशील,परिग्रह से मानव को हमेशा दूर रहना चाहिए यदि मानव इन पांचो पाप का त्याग कर दे तो उसे मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। दीपावली के पावन अवसर पर लोगो ने एक-दूसरे को दीपावली पर्व की बधाई दी, युवाओं ने बुजुर्गों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया, महिलाओं ने सामूहिक रूप से दीपक जलाए एवं भगवान महावीर की स्तुति गाकर खुशियां मनाई।

भगवान महावीर निर्वाणोत्सव आर्यिका विशेष मति माताजी के सानिध्य में भक्ति भाव से मनाया गया

24 परिवारों ने चढ़ाया विशेष निर्वाण लाडू, 50 दीपक से हुई आरती

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में वर्तमान शासन नायक जैन धर्म के चोबिसवें तीर्थंकर श्री 1008 महावीर भगवान का 2550 वाँ निवाणोत्सव ,बालयोगिनी आर्यिका श्री 105 विशेष मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में भक्ति भाव के साथ मनाया गया । प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की निवाणोत्सव की पूर्व संध्या रविवार की शाम विशेष भक्तामर दीप अर्चना एवम् आरती की गई तथा इसी दिन आर्यिका श्री ने समाज को आह्वान किया की सभी एक जुट होकर तीर्थ क्षेत्रों की रक्षा में लगी संस्थाओं का सहयोग करें। सोमवार को प्रातः मन्दिर जी में भगवान महावीर के अभिषेक व बीजाक्षर युक्त शान्तिधारा हुई । वेदी में विराजित पाषाण प्रतिमा की शांति धारा का सौभाग्य श्रेष्ठी कैलाश चंद विकास साखूनिया परिवार को मिला। इसके बाद भगवान को पांडाल में पाण्डुक शिला पर विराजित करने का व अभिषेक व विशेष शान्तिधारा करने का पुण्य लाभ श्रेष्ठी पदम बिलाला परिवार के मास्टर आदिश बिलाला व मास्टर आदित बिलाला को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात नित्य पूजन तथा 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की पूजन आर्यिका श्री व संघस्थ सविता दीदी द्वारा साज बाज के साथ करायी गई जिसमे चोबीस (24) परिवारो की विशेष सहभागिता रही । सभी ने निर्वाण काण्ड का वाचन कर भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक का अर्घ्य बोलते हुए जयकारों के साथ निर्वाण लाडू चढ़ाया । 24 परिवारों के साथ पांडाल में श्रेष्ठी सौभागमल तरुण पंकज रचित अजमेरा परिवार ने तथा वेदी पर श्रेष्ठी धर्म चंद दिनेश हिमांशु सौगानी परिवार ने निर्वाण लाडू चढ़ाया । कार्यक्रम में विधायक काली चरण सर्राफ, पार्षद राकेश शर्मा, गोकुल मिश्रा, प्रबंध समिति के मंत्री देवेंद्र कासलीवाल, राजेश गंगवाल, सोभाग अजमेरा, सुनील सेठी, नवीन सेठी, मिश्री लाल काला, महावीर बिन्दायक्या, धन कुमार शाह, महेश काला, अजय श्रीमाल , महिला मण्डल की अध्यक्षा शकुन्तला बिंदायक्या, अनीता बिंदायक्या, पुष्पा बिलाला, सुलोचना पाटनी, सुनीता भोंच तथा युवा मंच के अध्यक्ष अमित शाह, प्रतीक जैन, नीरज जैन के अलावा समाज के धन कुमार शास्त्री, सनत चाँदवाड , तारा चंद गोधा, ज्ञान चंद भोंच, प्रकाश गंगवाल, कमलेश पाटनी, जे के जैन, बुद्धि प्रकाश, प्रदीप चाँदवाड, सुरेश शाह, राजेंद्र ठोलिया, महावीर कोठारी, चन्द्र प्रभा शाह कनफूल कासलीवाल कांता बैद आदि सैकड़ों गणमान्य महानुभावों की उपस्थिति रही। सभी द्वारा 2550 वे निर्वाणोत्सव पर 50 दीपक से भगवान महावीर की आरती की गई ।दोपहर में छ प्रतिमा धारी रमेश साखूनिया के मार्गदर्शन में मन्दिर जी में भगवान महावीर की विशेष आराधना का आयोजन एवं शाम को महा आरती का आयोजन हुआ।

वेद ज्ञान

स्वयं को जीतें

सृष्टि के आरंभ काल से ही प्रत्येक जीव में दूसरों पर शासन करने, दूसरे को जीतने की आकांक्षा पाई जाती है। संभवतः सत्ता आदमी की मूल प्रवृत्ति है। दूसरों को जय करने की इस कामना के चलते ही सर्वदा से युद्ध होते आए हैं। प्रारंभ में एक कबीला दूसरे कबीले पर, एक राज्य दूसरे राज्य पर और एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र पर अधिकार करने, उसे जीतने का उपक्रम करता रहा है। हम दूसरों को जय करने से पूर्व यदि खुद को जय कर लें तो सारे विवाद, लड़ाई-झगड़े स्वतः समाप्त हो जाएंगे। खुद को जीतने का अर्थ है, खुद पर नियंत्रण, लेकिन यह इतना सरल नहीं है, पर यह कार्य साधना के द्वारा आसानी से हो सकता है। भारतीय दर्शन में मन की चंचलता पर विपुल सामग्री है और इसको साधने के उपायों पर भी बहुत कुछ कहा गया है। देखा जाए तो गीता में भगवान श्रीकृष्ण इसी मन को साधने के लिए सखा अर्जुन से अनेक उपायों की चर्चा करते हैं। हमारा मन कभी इस बात को स्वीकार करने को तैयार नहीं रहता कि कोई हम पर शासन करे या अधिकार जताए। वर्तमान समय में और विशेष कर आधुनिक शिक्षा के प्रभाव से अपने घरों में हम बड़ों के आदेश-निर्देश को छोटों द्वारा अवज्ञा करते अक्सर देखते हैं। नई पीढ़ी का यह विद्रोह नया भी नहीं है। इतिहास पर दृष्टि डालें तो हम देखेंगे कि यह समस्या हर युग में रही है। दरअसल इसे नकारने में यह भावना अधिक काम करती है कि कोई नहीं चाहता कि कोई उस पर शासन चलाए। अब यहां पर फिर मन को साधने के लिए गीता की शरण में जाने की जरूरत महसूस होने लगती है। सारे झगड़े के मूल में यह मन ही है जो हमें स्वतंत्रतापूर्वक जीने का पाठ पढ़ाता रहता है। इसी के कारण हम किसी के शासन में रहना पसंद नहीं करते, लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि किसी का नियंत्रण या मार्गदर्शन हमारे लिए अत्यंत उपयोगी है। इसीलिए यह जरूरी है कि हम एक दूसरे का सम्मान करें, किसी पर शासन न चलाएं और सभी को परिवार से लेकर राष्ट्र तक, अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए आगे बढ़ने दें। इस प्रकार यदि हम स्वयं पर विजय पा लें तो दूसरों पर जय पाने की हमारी भावना तिरोहित हो सकती है।

संपादकीय

दिल्ली की जहरीली हवा से सरकार व अदालतें चिंतित

पिछले कुछ दिनों से दिल्ली की हवा सांस लेने लायक भी नहीं रह गई है और इसे लेकर सरकार से लेकर अदालतें तक चिंतित दिख रही हैं, तो यह स्वाभाविक है। मगर हकीकत यह है कि ऐसी स्थिति कोई पहली बार या अचानक नहीं पैदा हुई है। हर वर्ष इस दौरान ठंड की शुरूआत के साथ ही हवा में जहर घुलना शुरू हो जाता है और तब तक इस मसले पर उदासीनता बरती जाती है, जब तक लोगों का दम न घुटने लगे। यों दिल्ली में प्रदूषण पूरे वर्ष किसी न किसी रूप में लगातार कायम रहता है और वह चिंता के स्तर से ऊपर ही होता है, मगर इस मौसम में जब यह एक संकट के रूप में तब्दील हो जाता है और सार्वजनिक चर्चा का मुद्दा बन जाता है, तब सरकार भी फिक्र जताने लगती है। इस वर्ष भी दिल्ली सरकार की ओर से प्रदूषण की समस्या पर काबू पाने के लिए धुआंरोधी टावर लगाने से लेकर सड़क पर वाहनों की संख्या को नियंत्रित करने जैसी कई घोषणाएं की गई, लेकिन जमीन पर उसकी हकीकत

किसी से छिपी नहीं है। कई जगहों पर धुआंरोधी टावर बेकार पड़े हैं तो वाहनों की आवाजाही पर लगाम लगाने की योजना का भी कुछ ठोस हासिल सामने नहीं आया। इस मसले पर सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को एक बार फिर सख्ती दिखाई और दिल्ली सहित पंजाब सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि सब कुछ भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। अदालत ने साफतौर पर कहा कि पराली जलाने पर हर हाल में रोक लगनी चाहिए; हमारे दखल के बाद ही इस मसले पर काम होता है। यानी जो काम सरकारों के नियमित दायित्व में शामिल होना चाहिए, उसके लिए अदालतें उन्हें याद दिलाती हैं जबकि दिल्ली में प्रदूषण अब हर वर्ष की एक नियमित मुश्किल बन चुकी है। विडंबना यह कि इस समस्या से राहत के लिए सरकार की ओर से उठाए गए कदम आमतौर पर दिखावे के साबित होते हैं और लोगों की मुश्किल में तभी कुछ कमी देखी जाती है, जब किसी वजह से बारिश हो जाए है या फिर हवा चलने लगे। प्रदूषण के गहराते संकट का सामना करने के लिए कृत्रिम बारिश कराने की बात भी की जाती रही है, मगर सड़क पर वाहनों से पानी की बौछारों के जरिए धूल को काबू में करने की लगभग बेअसर कोशिश से ज्यादा कुछ नहीं हो पाता। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण को काबू में करने के लिए सड़कों पर वाहनों की संख्या नियंत्रित करने के मकसद से सम-विषम व्यवस्था लागू करने की भी घोषणा की थी। मगर सुप्रीम कोर्ट ने इसकी उपयोगिता पर सवाल उठाए हैं। फिलहाल दिल्ली सरकार ने सम-विषम पर अमल को टाल दिया है। हालांकि गुरुवार को बारिश और हवा की वजह से दिल्ली में प्रदूषण में कमी आई, लेकिन कहना मुश्किल है कि यह स्थिति कितने दिन कायम रहेगी। सवाल है कि संकट के बेकाबू हो जाने पर तात्कालिक उपायों के जरिए राहत पाने की कोशिशों से क्या हासिल होने वाला है। इस समस्या के स्थायी समाधान को लेकर ठोस पहल क्यों नहीं की जाती? सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने पर तीखे सवाल उठाए हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

तपेदिक की समस्या

दुनिया भर में तपेदिक यानी क्षयरोग या टीबी को जड़-मूल से खत्म करने के लिए कई दशकों से बहुस्तरीय प्रयास चल रहे हैं। टीबी के खिलाफ पहला अभियान 1995 में शुरू हुआ था, लेकिन इतना लंबा वक्त बीत जाने के बावजूद आज भी लाखों लोग इस गंभीर बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से मंगलवार को जारी एक सौ बानबे देशों और क्षेत्रों के आंकड़ों पर आधारित विश्व तपेदिक रिपोर्ट, 2023 में यह तथ्य उजागर हुआ है कि वैश्विक स्तर पर 2022 में करीब एक करोड़ छह लाख लोग टीबी से बीमार पड़े। यानी 2021 के मुकाबले इस आंकड़े में तीन लाख की बढ़ोतरी हुई। यह सही है कि इस दौरान कोरोना महामारी की वजह से लगभग समूचा चिकित्सा तंत्र इसके शिकार रोगियों की देखभाल में लगा था और इसका टीबी से संबंधित सेवाओं पर काफी हद तक विपरीत असर पड़ा था। हालात के संभलने के बाद फिर से इस ओर ध्यान देना संभव हो सका। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हाल के महीनों में दुनिया भर में टीबी की जांच और उपचार संबंधी सेवाओं में व्यापक सुधार हुआ है और इसके नतीजे जमीनी स्तर पर देखने में आए हैं। यह जगजाहिर रहा है कि जब तक इस बीमारी का इलाज नहीं खोजा जा सका था, तब तक दुनिया के तमाम हिस्से में लोग इसकी चपेट में आकर मरते रहे। इसके रोगियों को यह पता भी नहीं चल पाता था कि यह कौन-सी बीमारी है और इसे ठीक कैसे किया जाए। लेकिन चिकित्सा विज्ञान के विकास के साथ इसका इलाज खोजा गया और अब हर वर्ष लाखों लोगों को इससे बचाया जा रहा है। डब्लूएचओ की रिपोर्ट में भी बताया गया है कि टीबी से निपटने के वैश्विक प्रयासों से सन 2000 के बाद से अब तक साढ़े सात करोड़ से ज्यादा लोगों की जान बचाई गई है। इसके बावजूद यह अफसोस की बात है कि अब भी इस जटिल बीमारी के उन्मूलन में कोई बड़ी कामयाबी नहीं मिल सकी है और यह दुनिया का दूसरा प्रमुख ह्यसंक्रामक हत्याराह्ल बना हुआ है। खासतौर पर दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीकी देशों में स्थिति अब भी ऐसी है, जिसे चिंताजनक कहा जा सकता है। यह स्थिति तब है, जब चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में लगातार प्रगति हुई, जटिल रोगों का पता चलने के बाद उनके इलाज भी खोजे गए। टीबी एक ऐसी बीमारी है, जो गंभीर और जटिल, बल्कि बिगड़ जाने पर जानलेवा भी है। कुछ साल पहले तक भारत में हर साल टीबी से पांच लाख लोगों की मौत हो जाती थी। अब भी इससे सालाना तीन से चार लाख के बीच लोगों की जान चली जाती है। सवाल है कि आज तपेदिक का कारगर इलाज होने के बावजूद अगर इतनी बड़ी तादाद में लोग इसके शिकार हो रहे हैं तो इसका क्या कारण हो सकता है। किसी भी बीमारी के इलाज के समांतर यह पहलू ज्यादा महत्त्वपूर्ण होता है कि खानपान से लेकर रहन-सहन में कमी या गड़बड़ी तक उसके तमाम कारणों को दूर करने या उससे बचने के ठोस उपाय किए जाएं। सही है कि भारत में पहले के मुकाबले तपेदिक के मामलों में कमी आई है और लोग अपने स्तर पर भी इसके बचाव को लेकर जागरूक हो रहे हैं। मगर आज भी जितनी बड़ी तादाद में लोग इसके शिकार हो रहे हैं, उसे देखते हुए यह आशंका लाजिमी है कि भारत में 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य कैसे हासिल किया जा सकेगा।

अहिंसा से शान्ति होगी आज विश्व को शान्ति की आवश्यकता: आचार्य श्री आर्जव सागर जी

भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण महोत्सव मनाया

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

आज के दिन भगवान महावीर स्वामी ने सिद्ध क्षेत्र पावापुरी से परम पावन मोक्ष पद को प्राप्त किया था उनके सिद्धांतों की आज विश्व को अति आवश्यकता महसूस की जा रही है अहिंसा से शान्ति सम्भंव है आज दुनिया बारुद के ढेर पर बैठी है कब एक चिनगारी से ज्वालामुखी फट जाए कह नहीं सकते ऐसे में हमें जगत कल्याण की कामना के लिए हर समय भावना बनाये रखना चाहिए युद्ध हो ना हो पर इससे आप और आपका देश सुरक्षित रहेगा इसमें कुछ नहीं करना अपने मन को स्थिर करना है जिसे आप ध्यान कहते हैं ध्यान ऐसा

मेडीटेशन है जो शरीर के साथ आत्मा को भी शुद्ध कर देता है। आज दुनिया भर में ध्यान को विभिन्न रूपों में परोसा जा रहा है सबसे सरल ऊं का ध्यान है इसके लिए आसान सिद्ध के साथ शरीर की शुद्धि के साथ शुभ भावनाओं का होना आवश्यक है उक्त आश्य के उद्गार सुभाष गंज मैदान में महावीर निर्वाण उत्सव को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्रीआर्जव सागर जी महाराज ने कही। मुख्य समारोह गंज मैदान में हुआ सर्व प्रथम प्रभु को पाडूकशिला पर विराजमान कर भगवान के कलाशाभिषेक किये गये। तदुपरान्त जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर द्वारा कराई गई इसके बाद सामूहिक पूजन भक्तो द्वारा संगीत के साथ की गई। इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आज हम भगवान महावीर स्वामी का पच्चीस सौ पचास वां निवाणोत्सव मना रहे हैं देश की प्रमुख संस्थाओं के मार्ग दर्शन में इस वर्ष को विशेष रूप से श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के द्वारा वर्ष भर मनाया जायेगा। इस हेतु भारतीय वर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी महासभा महासमिति के द्वारा समय-समय पर इस हेतु निर्देश आते रहेंगे इसके बाद परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज की महापूजन की गई एवं आचार्य आर्जवसागर जी महाराज ससंघ के चरणों में अर्घ समर्पित किये गये।

महावीर निर्वाणोत्सव पर प्रभात फेरी निकाली गई

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर स्वामी का 2550 वां निवाणोत्सव जैन मिलन सेंट्रल अशोकनगर द्वारा प्रातः सुभाष गंज जैन मंदिर से प्रभात फेरी निकाली गई जो गांधीपार्क पुराना बाजार सुराना चौराहा होते हुए समाप्त हुई जिसमें सम्मलित वीर बन्धुओं ने भगवान महावीर के संदेशों पर आधारित नारे लगाये। इस अवसर पर भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन 'कैंची', राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री आनंद गांधी, क्षेत्रीय अध्यक्ष नरेश जैन, राष्ट्रीय संयोजक प्रमोद छाया, शाखा अध्यक्ष जितेंद्र जैन, उपाध्यक्ष मनोज कांसल, मंत्री विपिन बाँझल, कोषाध्यक्ष संजय कन्हेरा, वीरेंद्र अथाईखेड़ा, सुनील बेलई, नीरज तारई, दीपक मलवानी, सुनील कोठारी, सतेंद्र जैन सहित अन्य उपस्थित थे।

भगवान महावीर का 2550वा निर्वाण मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

सत्य अहिंसा के अवतार भगवान महावीर का 2550 वा निर्वाण मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी को मोक्ष की प्राप्ति बिहार के पावापुरी सिद्ध क्षेत्र से हुई थी। आज के दिन पूरे विश्व एवं भारतवर्ष के जैन धर्म के लोग बड़े श्रद्धा पूर्वक भगवान महावीर के निर्वाण कल्याणक की खुशी पूर्वक दीपावली का पर्व मनाते हैं ।स्टेशन रोड स्थित बड़ा जैन मंदिर से गुरुदेव सुयश सागर के सानिध्य में श्रद्धालु भक्तजन नगर भ्रमण करते हुए नया मंदिर पानी टंकी रोड पहुंचे बैंड बाजे और भगवान महावीर के जय घोष के साथ भक्तजन खुशी से झूमते नाचते चल रहे थे नया जैन मंदिर पहुंचने पर जैन समाज के हजारों भक्तजन श्रद्धालु महिला पुरुष बच्चों ने महावीर

भगवान की पूजा भक्ति बड़े ही श्रद्धा पूर्वक से की। पूज्य गुरुदेव सुयश सागर जी ने अपनी अमृतवाणी में भक्तजनों को कहा कि आज का दिन जैन धर्मावलंबियों के लिए सबसे पावन एवं पवित्र दिन है आज दीपावली के दिन सत्य अहिंसा के अवतार भगवान महावीर स्वामी को निर्वाण मोक्ष प्राप्त हुआ था पूरे विश्व को उनके सिद्धांतों को अपनाने की आवश्यकता है तभी राष्ट्र में अमन चैन और शांति कायम रह सकती है जिओ और जीने दो का सिद्धांत से ही विश्व में भाईचारा और शांति को स्थापित किया जा सकता है स्टेशन रोड बड़ा मंदिर में भगवान की मुख्य शांति धारा शशि रीता सेठी परिवार ने की प्रथम अभिषेक प्रकाश गंगवाल परिवार ने किया। भगवान के मोक्ष कल्याणक का निर्वाण लाडू सुरेंद्र सौरभ सरिता काला परिवार ने चढ़ाया ।पानी टंकी रोड स्थित नया जैन मंदिर में भगवान महावीर को 24 किलो का मुख्य निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य सुशील कुमार राज सुनील छाबड़ा परिवार को मिला। मुख्य शांति धारा करने का सौभाग्य सुरेंद्र सौरभ काला परिवार को मिला । निर्मल दिनेश झाझंरी परिवार सुबोध आशा गंगवाल परिवार कमल पियूष कासलीवाल परिवार कमल ऋषभ श्रेयांश सेठी परिवार ने भी भगवान की शांति धारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया। नया मंदिर में निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य फूलचंद किशोर प्रदीप पांडया परिवार, कैलाश मनोज कमल कासलीवाल परिवार ,ललित सिद्धांत सेठी परिवार ,निर्मल आशीष छाबड़ा परिवार को मिला बड़ा मंदिर में बॉबी अजय सेठी संजय लड्डू छाबड़ा और उनकी पूरी टीम ने पावापुरी मंदिर की आकृति का निर्माण कराया।

दुर्गापुरा में भगवान महावीर स्वामी जी के 2550वें मोक्ष कल्याणक दिवस पर भक्ति भाव से निर्वाण लाडू चढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा जयपुर में भगवान महावीर के 2550 वें मोक्ष कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में कार्तिक कृष्ण अमावस्या सोमवार 13 नवम्बर 2023 को प्रातः 6.30 बजे प्रथम अभिषेक शांतिधारा करने का सौभाग्य डॉ मोहन लाल मणि, डॉ मनीष जैन परिवार ने प्राप्त किया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी ट्रस्ट दुर्गापुरा जयपुर के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि पंडित दीपक शास्त्री एवं महावीर प्रसाद जैन बाकलीवाल झाग वालों के साथ सभी श्रद्धालुओं ने 7 बजे सामूहिक पूजा बड़े भक्ति भाव से कर 7.30 बजे मधुर स्वर में निर्वाण काण्ड भाषा के बाद भगवान महावीर स्वामी जी के मोक्ष कल्याणक का अर्घ्य बोल कर सामूहिक निर्वाण लाडू चढ़ाया।

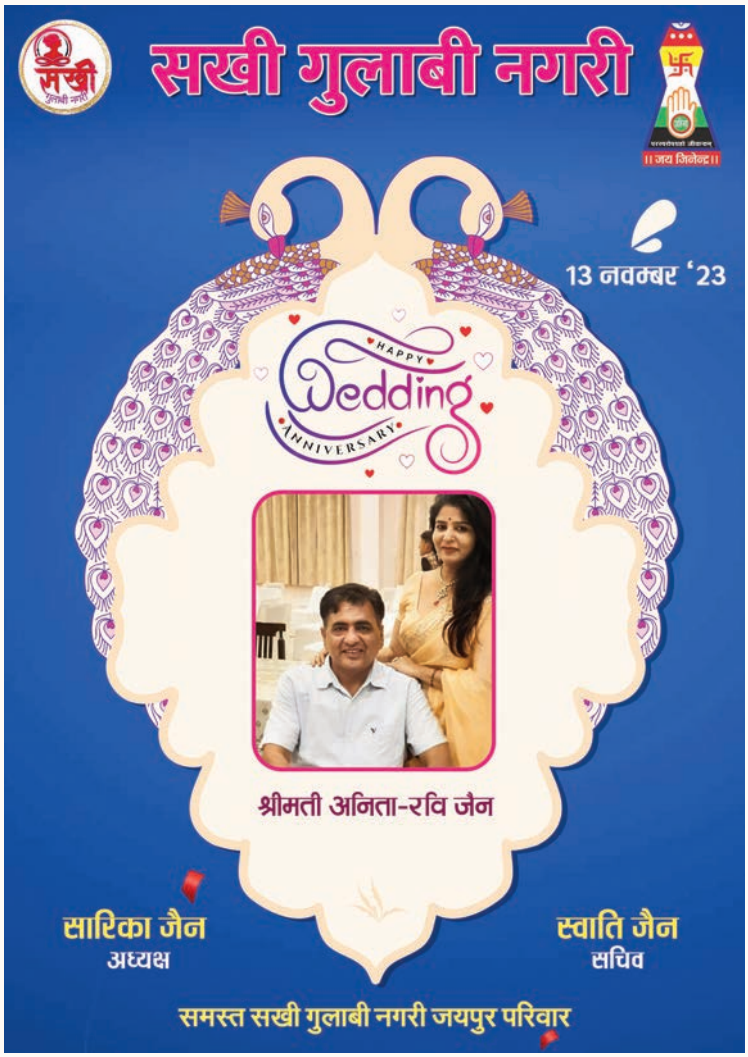

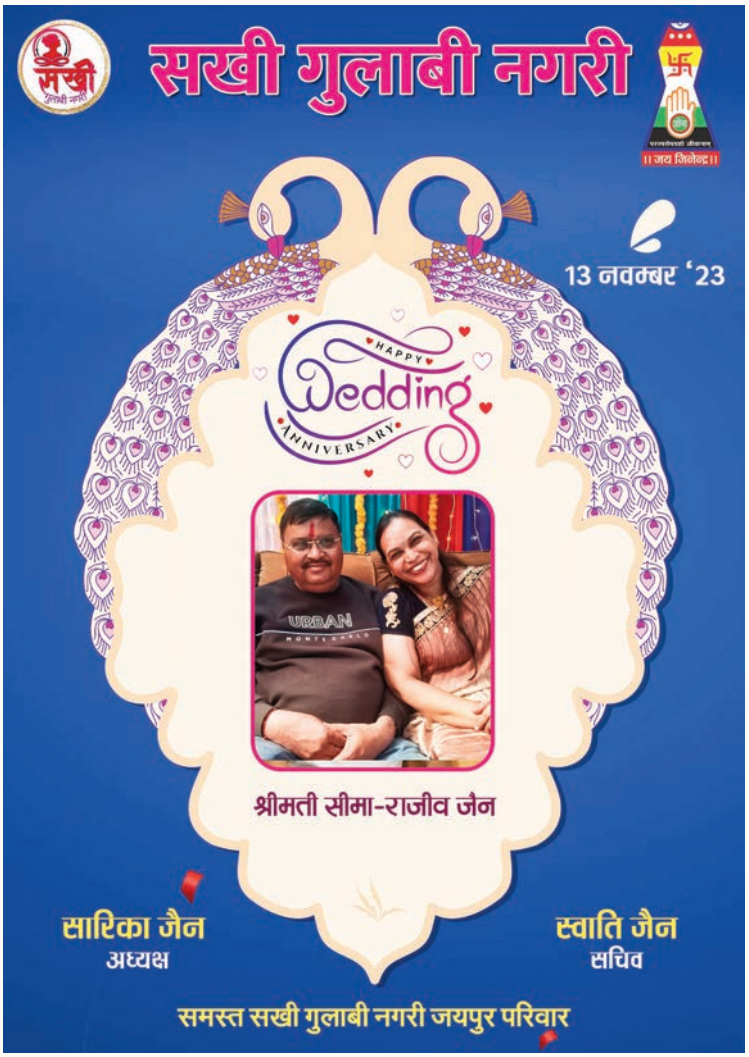

कुंडलपुर में भगवान महावीर का 2550वां निर्वाण महोत्सव पर निर्वाण लाडू चढ़ाया गया

राजेश रागी. शाबाश इंडिया

कुंडलपुर। सुप्रसिद्ध जैन तीर्थ सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर में जैन धर्म के 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर का 2550 वां निर्वाण महोत्सव धूमधाम से मनाया गया । इस अवसर पर भक्तांमर महामंडल विधान ,पूज्य बड़े बाबा का अभिषेक, शांतिधारा, महावीर पूजन, विधान संपन्न हुआ। कुण्डलपुर कमेटी के जयकुमार जलज हटा ने बताया कि इस अवसर पर देश के कोने-कोने से आए हजारों भक्तों द्वारा अत्यंत भक्ति भाव से निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव की पूर्व संध्या पर मान स्तंभ परिसर में दीपोत्सव का कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित किये। इस अवसर पर कुंडलपुर स्थित वर्धमान सरोवर में कृत्रिम मंदिर का मॉडल का जलावतरण किया गया। रंग बिरंगी रोशनी से जगमगाता मंदिर का मॉडल सरोवर के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। अभिषेक शांति धारा ऋद्धि कलश एवं निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य सुनील सौरभ ऋषि जैन टीकमगढ़, डॉक्टर दिनेश सौधर्म जैन छैघरिया परिवार सागर, पीयूषकांत प्रत्यूष प्रदीप जैन बिलासपुर को प्राप्त हुआ। शांति धारा करने का सौभाग्य चंद्र कुमार सराफ श्रीमती सरोज रानी आलोक अमित ललित सराफ परिवार दमोह, संजय राजेश कुबेर परिवार पथरिया को प्राप्त हुआ। भगवान श्री पारसनाथ शांति धारा करने का सौभाग्य रोहित राजेशकुमार जैन अभाना, विकास निखिल विनोद राजेंद्र परिवार दमोह इंदौर को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त एवं कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी के पदाधिकारी सदस्यों की उपस्थिति रही। सायंकाल भक्तांमर दीप आराधना एवं पूज्य बड़े बाबा की महाआरती की गई।

महावीर स्वामी के निर्वाण महोत्सव भक्ति-भाव के साथ मनाया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में श्री महावीर स्वामी के निर्वाण महोत्सव भक्ति- भाव के साथ मनाया गया। प्रातः बड़े बाबा मूल नायक श्री पदम प्रभु भगवान सहित सभी प्रतिमाओं पर श्रावकगणों ने बारी-बारी से महामस्तकाभिषेक किया। प्रतीक विपुल एवं चांदमल जैन ने पदम प्रभु भगवान पर, लक्ष्मीकांत जैन ने आदिनाथ भगवान पर, राकेश बेघेरवाल ने मुनिसुव्रतनाथ भगवान पर शांतिधारा की। अन्य प्रतिमाओं पर भी शांतिधारा की गई। पूनम चंद सेठी एवं मंजूषा जैन के निर्देशन में महावीर स्वामी की पूजा अर्चना कर श्रावक-श्राविकाओं ने अर्ग समर्पण किये। इस उपरांत निर्वाण कांड का पाठ द्वारा ओम प्रकाश अग्रवाल परिवार एवं श्रीमती मैना जैन सोनी परिवार द्वारा निर्वाण लाडू चढ़ाया। सभी ने इसकी अनुमोदन की। बड़ी संख्या में आए पुरुष, महिला, युवाओं ने लाडू चढ़ाकर अपने को धन्य किया। समापन पर सभी एक दूसरों को महावीर स्वामी के मोक्ष कल्याणक एवं दीपावली की शुभकामनाएं दी।

मित्तल हॉस्पिटल का 18वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

मित्तल नर्सिंग कॉलेज के प्रांगण में हुआ रंगारंग कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण

अजमेर. शाबाश इंडिया

मित्तल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर अजमेर का 18 वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर श्रद्देय गुरुवर हजरत हरप्रसाद जी मिश्रा उवैशी की छवि के समक्ष मित्तल परिवार द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया और केक काटा गया। हॉस्पिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस के जैन ने हॉस्पिटल प्रबंधन की तरफ से अपने संबोधन में विश्वास व्यक्त किया कि पीड़ित मानव को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं देते हुए जिस तरह से राष्ट्रीय मानदण्डों पर खरे उतरते आए हैं। ऐसे ही आगे के वर्षों में निरंतर गुणवत्ता में सुधार लाते हुए आधुनिक चिकित्सा सेवाएं निष्ठा, समर्पण और अनुशासन के साथ प्रदान करते रहेंगे। स्थापना दिवस मित्तल हॉस्पिटल परिवार के सभी सदस्य, मेहमान, चिकित्सक, अधिकारी, कर्मचारी गण शामिल हुए। समारोह मित्तल नर्सिंग कॉलेज प्रांगण में देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान हॉस्पिटल में आयोजित वर्षपर्यन्त विविध गतिविधियों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। हॉस्पिटल के चिकित्सकों सहित नर्सिंग, फामेर्सी, हाउसकीपिंग, फ्रंट ऑफिस और प्रशासनिक विभाग के कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने एक नृत्य एवं गायन की बेहतरीन प्रस्तुतियां दीं और सहभोज का आनंद प्राप्त किया। समारोह के दौरान मित्तल ग्रुप के वाइस प्रेसीडेंट श्याम सोमानी ने मित्तल ग्रुप के निमार्णाधीन नए संस्थान मित्तल मॉल की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि व्यापक स्तर पर जनता के स्वास्थ्य सरंक्षक होने के साथ मित्तल ग्रुप अब मित्तल मॉल के रूप में जनता को नई सौगात देने जा रहा है जो जीवन शैली में बेहतर बदलाव का परिचायक होगा। निदेशक अनिल मित्तल, सुनील मित्तल, डॉ दिलीप मित्तल एवं मनोज मित्तल ने मित्तल हॉस्पिटल के प्रति जनता के सतत विश्वास के साथ 19वें वर्ष में प्रवेश पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा कच्ची बस्ती में जरूरत की सामग्री वितरित

जयपुर. शाबाश इंडिया

कार्यक्रम पालनहार के तहत लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा मॉडल टाऊन मानसरोवर की कच्ची बस्ती में दिये, बाती,तेल, लक्ष्मी पूजन का पाना, पूजा सामग्री, फल, मिठाई, 10 नई साड़ियां, एक दीवार घड़ी, एक हाथ घड़ी, लेडीज की, एक हाथ घड़ी जेंट्स की, 12 स्टील के गिलास, 2 टी शर्ट, सलवार सूट व 4 चादर, 12 पिलो कवर, व कुछ रसोई के बर्तन व 100 व 50 रुपये नकद राशि वितरित की गई। उक्त प्रोजेक्ट क्लब अध्यक्ष रानी पाटनी के सौजन्य से सम्पन्न हुआ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

भगवान महावीर स्वामीजी का 2550 वां निर्वाण महोत्सव धूमधाम से मनाया

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। विश्व विख्यात अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में भगवान महावीर स्वामी जी के 2550 वा निर्वाण महोत्सव का कटला मान स्तंभ प्रांगण में ध्वजारोहण कर किया इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रारंभ में मंगल गीत एवं भगवान महावीर स्वामी के भजनों की भव्य प्रस्तुति दी गई दोपहर 1: बजे श्री दिगंबर जैन भक्ति संगीत मंडल श्री महावीर जी के सहयोग से पश्चिमी पांडाल में श्रीजी की सामूहिक पूजा अर्चना की गई दोपहर 3:30 बजे पश्चिमी पंडाल में श्रीजी का आचार्य विमल सागर जी महाराज एवं मुनि चिन्मयानंद सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में कलश अभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया शाम 7:बजे पश्चिमी पंडाल में दिगंबर जैन भक्ति संगीत मंडल श्री महावीर जी के सहयोग से 1008 दीपको के साथ भगवान महावीर स्वामी जी की सामूहिक महा आरती की गई इस अवसर पर जैन समाज के गणमान्य लोग मौजूद थे। मंदिर कमेटी के मैनेजर ने बताया कि निर्वाण उत्सव के उपलक्ष में सोमवार प्रातः बेला में 5:45 पर भोर में भगवान महावीर स्वामी जी का 2550 वा निर्वाण उत्सव लड्डू धूमधाम से चढ़ाया। इस मौके पर देश के कोने कोने से हजारों की संख्या में श्रावको ने मूल नायक भगवान महावीर की प्राचीन प्रतिमा के क्रम से चरण स्पर्श कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, उपाध्यक्ष शांति कुमार जैन, चंद्र प्रकाश पहाड़िया, मंत्री सुभाष जैन, कोषाध्यक्ष विवेक काला, संयुक्त मंत्री उमरावमल संघी,पी के जैन, सदस्य पदम कुमार जैन आदि मौजूद थे । वीर संगीत मंडल के अशोक गंगवाल ने साजो से पंडाल में पूजन के साथ निर्माणकांड का वाचन किया तथा सभी ने निर्वाण लाडू चढ़ाया।

विश्व वन्दनीय भगवान महावीर का 2550 वां निर्वाणोत्सव भक्तिपूर्वक मनाया

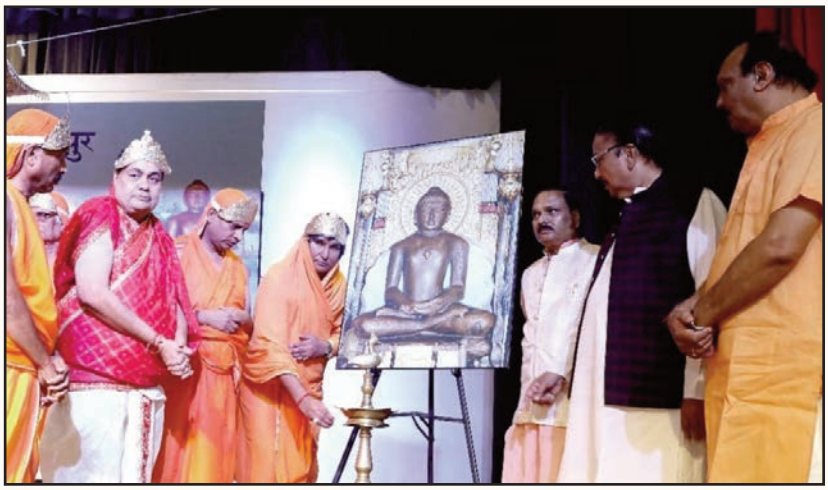

चढ़ाया निर्वाण लाडू भट्टारक जी की नसियां में हुआ मुख्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व वन्दनीय, जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2550 वां निर्वाणोत्सव सोमवार 13 नवम्बर को भक्ति भाव से मनाया गया इस मौके पर भट्टारक जी की नसियां में राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा मुख्य आयोजन किया गया। शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन हुए। भट्टारक जी की नसियां में राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद के नेतृत्व में भगवान महावीर की अष्ट द्रव्य से प्रसिद्ध गायिका श्रीमती समता गोदिका एवम श्रीमती ममता शाह द्वारा संगीतमय पूजा अर्चना की गई। निर्वाण काण्ड भाषा के सामूहिक उच्चारण पश्चात भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक ''कार्तिक श्याम अमावस शिविर पावापुरी ते वरना...'' के उच्चारण के साथ जयकारों के बीच निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। सभा के मंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि आयोजन में समाजश्रेष्ठी विवेक - रुपा सेठी, दीप प्रज्ज्वलन सुनील - आरती पहाडियाँ, पारस - पूजा पाटनी अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों द्वारा भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। इस मौके पर समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष डॉ अर्चना शर्मा सहित अन्य गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने सहभागिता निभाई । अतिथियों का सम्मान राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दर्शन बाकलीवाल, महामंत्री मनीष बैद, मंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा', कोषाध्यक्ष एवं मुख्य संयोजक राकेश छाबड़ा, संयोजक अनिल छाबड़ा एवं कार्यकारिणी सदस्यों सहित महिलाओं ने किया। डॉ विमल कुमार जैन के निर्देशन में ममता शाह, समता गोदिका द्वारा संगीतमय पूजा अर्चना करवाई गई। महाआरती एवं जिनवाणी स्तुति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठी एवं श्रद्धालुगण उपस्थित थे। मंच संचालन मनीष बैद ने किया। आभार मंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने किया।

जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2550 वां निर्वाणोत्सव सोमवार 13 नवंबर को मनाया

कार्तिक सुदी एकम से जैन धर्मावलंम्बियों के नववर्ष वीर निर्वाण सम्वत 2550 का हुआ शुभारंभ

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चौरु, नारेड़ा, मंडावरी,मेहंदवास, निमेडा एवं लदाना सहित फागी कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर, मुनिसुव्रतनाथ मंदिर, त्रिमूर्ति जैन मंदिर , पार्श्वनाथ मंदिर,चंद्रप्रभु नसिया तथा चंद्रपुरी मंदिर सहित सभी जिनालयों मे प्रातः श्रीजी का अभिषेक महा शांति धारा एवं अष्टद्रव्यों से पूजा की गई तथा जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2550 वां निर्वाणोत्सव भक्ति भाव के साथ सामूहिक रूप से जयकारों के साथ मनाया गया, जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा अवगत कराया की इस मौके पर संपूर्ण देश सहित बिहार के पावापुर मैं राष्ट्रीय स्तर तथा दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में प्रदेश स्तरीय मुख्य समारोह भव्यता के साथ संपन्न हुआ।इसी कड़ी में फागी कस्बे के पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में रतनलाल, राजेंद्र कुमार ,लोकेश कुमार, अनिल कुमार,अमन कुमार नला वाले परिवार जनों की तरफ से बोली के माध्यम से मुख्य वेदी पर 25 किलो का 2550 वां महावीर निर्वाण मोक्ष का श्री जी के समक्ष लाडू चढ़ाने का सोभाग्य प्राप्त किया,वासु पूज्य भगवान की वेदी पर रामावतार, अनिल कुमार, गणेश कुमार, मुकेश कुमार विनोद कुमार कठमाणा वाले परिवार जनों ने बोली के माध्यम से लाडू चढ़ाने का सोभाग्य प्राप्त किया तथा नेमिनाथ भगवान की वेदी पर महावीर प्रसाद, धर्मचंद ,विनोद कुमार, पारसकुमार, दीपक कुमार मोदी फागी वाले परिवार जनों की तरफ से बोली के माध्यम से लाडू चढ़ाया गया। इसी कड़ी सारे समाज ने निर्वाण कांड भाषा का वाचन करते हुए सामूहिक रूप से जयकारों के साथ श्री जी के समक्ष लाडू चढ़ाकर सुख, समृद्धि, और शांति की कामना की। इसी कड़ी में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा एवं सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा तथा विरेन्द्र डोषी ने जैन समाज के नव वर्ष वीर निर्वाण सम्वत 2550 के शुभारंभ होने पर सारे समाज को शुभकामनाएं प्रेषित कर सुख समृद्धि की कामना की, कार्यक्रम में समाजसेवी सोहनलाल झंडा एवं कैलाश कलवाड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार भगवान महावीर स्वामी के संदेशों को घर घर तक पहुंचाने की मुहिम भारत सरकार द्वारा माननीय देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में निर्वाण महोत्सव को राष्ट्रीय स्तर पर मनाने का निर्णय लिया गया है यह अभियान 13 नवंबर से शुरू होकर एक वर्ष के लिए भगवान महावीर स्वामी के संदेशों को समर्पित रहेगा तथा जियो और जीने दो जैसे उनके मानव कल्याण के संदेशों को घर-घर तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। निर्वाण महोत्सव को राष्ट्रीय स्तर पर मनाने के इस निर्णय के लिए सारे जैन समाज ने केंद्र एवं राज्य सरकार का आभार जताया है।उक्त अवसर पर समाज के वयोवृद्ध कपूर चंद जैन मांदी, पूर्व सरपंच ताराचंद जैन,मोहनलाल झंडा, प्यार चंद पीपलू,कैलाश कलवाड़ा , सोहनलाल झंडा, प्रेमचंद भंवसा,रामस्वरूप जैन मंडावरा, रामस्वरूप मोदी,चम्पालाल जैन,केलास पंसारी,अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, पूर्व प्रधान महावीर प्रसाद बावड़ी, केलास कासलीवाल, सुरेश सांघी, नेमीचंद कागला, सुरेश मांदी,पं.संतोष बजाज, केलास कडीला तथा राजाबाबु गोधा सहित सारे श्रावक श्राविकाएं साथ-साथ थे।

विश्व शांति संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा डा. नरेन्द्र पारखको मानद उपाधि

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। अमेरिका सरकार द्वारा अधिस्वीकृत विश्व शांति संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा चाणक्यपुरी नई दिल्ली स्थित पंच सितारा होटल अशोका के भव्य ऑडिटोरियम में ब्यावर राजस्थान के समाजसेवी एवम महिला शिक्षा क्षेत्र के कार्यकर्ता डा. नरेन्द्र पारख को मानद डॉक्टरेट उपाधि से विभूषित किया गया इस गरिमामय समारोह में केन्द्रीय पंचायत राज मंत्री कपिल मोरेश्वर पाटिल, सिंगम फिल्म की अभिनेत्री एवम बॉलीवुड की प्रसिद्ध अदाकारा काजल, कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्णपदक विजेता पहलवान नरसिंह यादव ,सांसद मनोज तिवारी,सांसद जयप्रकाश निषाद, पू भा ज पा उपाध्यक्ष श्याम जाजू,प्रबंध निदेशक अंजनी कुमार, सी ई ओ कविता बजाज एवम बड़ी संख्या में गणमान्य, विशिष्ठ आमंत्रित व्यक्तित्व उपस्थित थे।

जैन समाज ने 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का मोक्ष कल्याण महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वाधान में भगवान महावीर स्वामी का 2550वें मोक्ष कल्याण निर्वाण महोत्सव एवं महावीर स्वामी के मुख्य गणधर गोतम स्वामी ज्ञान कल्याणक महोत्सव सोमवार को बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर श्री महावीर भगवान का निर्वाण कार्तिक अमावस्या पर हुआ था। इस महोत्सव के अवसर पर पिड़ावा के श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर सहित सभी 6 जिनालयों सहित कोटड़ी, ड़ोला के जैन मंदिर में जैन समाज के श्रावक, श्राविकाओं ने उत्साह और भक्ति के साथ पूजन कर निर्वाण के लाडू चढ़ाये और पिड़ावा के सभी मंदिरों में जाकर भगवान के दर्शन किये। इस अवसर पर श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर में प्रथम अभिषेक पार्श्वनाथ भगवान पर धीरेन्द्र जैन, आशीष जैन ने किया। माणस्थम में विराजमान महावीर भगवान पर धनसिहं जैन भारत बुट हाउस वालों ने किया। निर्वाण लाडू के पश्चात मन्दिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया गया। दीपावली के पावन अवसर पर पंडित राजकुमार जैन द्वारा लाडू प्रतियोगिता, दीपक प्रतियोगिता, चित्र प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

तीये की बैठक

बड़े ही दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है हमारे पूज्य श्री पवन कुमार जी जैन (पांडव ग्रुप) पुत्र स्व, श्री खूब चन्द जैन का दिनांक 13 नवम्बर दिन सोमवार को देहावासन हो गया है। उनकी तीये की बैठक 'महाराज अग्रसेन भवन' रतन मुनि रोड, कोची सिरकी मंडी, लोहा मंडी, आगरा पर दोपहर 2से 3 बजे तक होगी।

शोकाकुल : श्री कैलाश चंद जैन, देवेंद्र कुमार जैन (भाई), कुशाल जैन (हनु) पुत्र एवं समस्त परिवार (आगरा)
पीहर पक्ष से: विजय कुमार - चन्दा जैन, शीतल कुमार - सुधा जैन, मुकेश चंद - सुनीता जैन (मण्डावर वाले),
66/187, वी. टी.रोड मानसरोवर. जयपुर

नैनागिरि में भगवान महावीर स्वामी के 2550वें निर्वाण महोत्सव पर चढ़ाया निर्वाण लाडू

राजेश रागी. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2550वें निवाणोत्सव व गणधर गौतम स्वामी के केवलज्ञान महोत्सव एवं दीपोत्सव के पावन अवसर पर श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र (रेशंदीगिरि) नैनागिरि की पावन भूमि के गिरिराज स्थित पार्श्वनाथ चौबीसी जिनालय में देश के हजारों श्रद्धालु भक्तों ने भक्ति भाव से तीर्थराज की वंदना,पूजन अर्चन के साथ शांतिधारा कर निर्वाण लाडू समर्पित कर पुण्यार्जन किया। जैन तीर्थ (रेशंदीगिरि) नैनागिरि ट्रस्ट कमेटी के मंत्री राजेश रागी ने विज्ञप्ति में बताया कि अनेक भक्त श्रद्धालुओं ने भगवान का मस्तकाभिषेक कर शांतिधारा की जिसमें प्रमुखता से नरेन्द्र कुमार बांदरी , रमेश कुमार यशवंत कुमार पडवार वाले बण्डा, माणिक चंद्र राहुल कुमार सचिन कुमार बम्हौरी वाले इंदौर , राजेंद्र कुमार बांदरी ने सौभाग्य प्राप्त किया। इसी प्रकार मुख्य लाडू अग्रिम पंक्ति में सपरिवार समर्पित करने का सौभाग्य अशोक कुमार जैन अरिहंत हॉस्पिटल बण्डा , माणिक चंद्र राहुल कुमार सचिन कुमार जैन बम्हौरी वाले इंदौर, सुमत कुमार भूषा परिवार बण्डा के साथ ही विमल कुमार कदवां, ब्रह्म. सुमन दीदीजी गैरतगंज, सुरेश चंद्र कपिल कुमार जैन बण्डा , श्रीमती वंदना जैन श्रीपाईप सागर सहित अनेक श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। हजारों श्रद्धालु भक्तजनों ने वात्सल्य स्नेह भोजन ग्रहण किया और दीपावली व वीर निर्वाण नये वर्ष की मंगल शुभकामनाएं देकर तीर्थ संरक्षण संवर्धन की भावना व्यक्त। इस मौके पर आगामी 04 से 10 दिसम्वर तक नैनागिरि में आयोजित पंचकल्याणक महोत्सव रथोत्सव के मुख्य पात्रों के पुण्य की अनुमोदना कर सम्मानित किया गया और नये पात्रों हेतु भावना जागृत करने व सहयोग की कमेटी ने कामना की ।

आदिनाथ मित्र मंडल का दीपावली मिलन समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

आदिनाथ मित्र मंडल का दीपावली मिलन समारोह टोक रोड़ होटल विमल विला में आयोजित किया गया। अध्यक्ष सुनील जैन तथा मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि संस्था का यह पहला गेट टू गेदर कार्यक्रम परिवार के साथ आयोजित किया गया।

गरीब बच्चों को कपड़े, मिठाई और पटाखों के रूप में बांटी खुशियां

समाज के हर हिस्से और वर्ग की भागीदारी हो, तभी सार्थक दीवाली: आकाश शुक्ला

अंबाह। पांच दिनों के पर्व दीपावली पर हर घर में जहां जगमग होती है। वहीं, हमारे घरों के आसपास रहने वाले गरीब और उनके बच्चे खुशियों से महरूम रह जाते हैं। उनके इस दर्द को बांटने और उनके जीवन में खुशियों के रंग भरने के लिए कुछ शहरवासी अपनी तरफ से प्रयास कर रहे हैं। गरीब और वंचित बच्चों में भी दीवाली की खुशियां के लिए सेवा संकल्प टीम बच्चों को मिठाई, कपड़े और आतिशबाजी प्रदान कर उनके चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास किया। सार्थक दीपावली अभियान के तहत बस्तियों में पहुंचकर बच्चों के लिए कपड़े, मिठाई, फुलझडियां व अन्य सामग्री वितरित की। टीम के सदस्य आकाश शुक्ला कहते हैं कि गरीब बच्चे आतिशबाजी, मोमबत्ती के साथ ही मिठाई की सौगात पाकर खिलखिला उठे। आकाश ने बताया कि सार्थक दिवाली मनाने का प्रयास हमारी टीम के द्वारा पिछले 5 वर्षों से किया जा रहा हैं। और कोई भी दिवाली सार्थक तभी मानी जा सकती है जब उसमें समाज के हर हिस्से और वर्ग की भागीदारी हो। इस अवसर पर रग्गा शर्मा, आकाश शुक्ला, शिवा शर्मा, अमृतांशु शर्मा, अभय चौधरी, शेखर माथुर, लवला पंडित, योगेश तिवारी, दीपक शर्मा, ललित गुधेनिया, अतुल शर्मा, राहुल पाठक, अंकित शर्मा, अमन शर्मा, कान्हा तिवारी, सहित अन्य उपस्थित रहे।

नैनागिरि में हुई लाडू सजाओं प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को किया सम्मानित

रत्नेश जैन रागी. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2550वें निर्वाणोत्सव व गणधर गौतम स्वामी के केवलज्ञान महोत्सव एवं दीपोत्सव के पावन अवसर पर श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र (रेशंदीगिरि) नैनागिरि की पावन भूमि के गिरिराज स्थित पार्श्वनाथ चौबीसी जिनालय में देश के हजारों श्रद्धालु भक्तों ने भक्ति भाव से तीर्थराज की वंदना,पूजन अर्चन के साथ शांतिधारा कर निर्वाण लाडू समर्पित कर पुण्यार्जन किया। इस अवसर पर लाडू सजाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त पुरस्कार के साथ ही सांत्वना पुरस्कार से प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। जैन तीर्थ (रेशंदीगिरि) नैनागिरि ट्रस्ट कमेटी के मंत्री राजेश रागी ने विज्ञप्ति में बताया कि लाडू सजाओं प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रीमती सोना आशी जैन दलपतपुर , द्वितीय स्थान श्रीमती अर्चना नवीन चंदेरिया दलपतपुर , तृतीय स्थान श्रीमती रानी जैन मकरोनिया सागर तथा चतुर्थ स्थान पर कु. रजनी जैन दलपतपुर को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही सांत्वना पुरस्कार कल्पना दीनदयाल नगर सागर,अर्चना मुकेश सांधेलिया , विमला- मोतीलाल सांधेलिया दलपतपुर , विमला जैन बम्हौरी , कु. दीक्षा जैन दिशा मझगुवां , विद्या -सुरेंद्र सांधेलिया , सुनीता अमरेन्द्र मोदी , कल्पना लोहिया , संध्या जैन बम्हौरी को पुरस्कृत किया गया । इस अवसर पर कु. आशी जैन पुत्री देवेंद्र कुमार दलपतपुर वाले नैनागिरि जिन्होंने आगरा में पूज्य सुधा सागर जी महाराज के सानिध्य में समयसार ग्रंथ प्रशिक्षण में तृतीय स्थान प्राप्त किया है को भी सम्मानित किया गया।

मुख्य निर्वाण लाडू महोत्सव में धन की हुई वर्षा

नए तीर्थ निर्माण के लिए भी हुई बड़ी घोषणा

आगरा. शाबाश इंडिया

हरीपर्वत स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में तीर्थंकर भगवान महावीर के 2550वे निर्वाण महोत्सव के पावन अवसर पर निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज एव क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य एवं श्री दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण कल्याणक एवं चातुर्मास निष्ठापना महोत्सव बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ 13 नवंबर को मनाया गया। महोत्सव का शुभारंभ सर्वप्रथम सौभाग्यशाली भक्तों ने स्वर्ण कलशों से श्रीजी का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा के साथ किया । तत्पश्चात विधानाचार्य प्रदीप जैन भैया सुयश के कुशल निर्देशन में भक्तों ने मंत्रोच्चारण के साथ पूजन की मांगलिक क्रियाएं संपन्न की। इसके उपरांत बालिकाओं ने जैन भजनों पर बहुत सुंदर नृत्य कर मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। साथ ही गुरुभक्तों ने मुनिश्री का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।विधानाचार्य प्रदीप जैन शास्त्री के निर्देशन एवं मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज के सानिध्य में भगवान महावीर के निर्वाण लाडू चढ़ाने का प्रथम सौभाग्य अन्नपूर्णा समूह के अनिल जैन शास्त्री परिवार, नरेन्द्र जैन फर्नीचर दिलीप जैन,के के जैन व रूपेश जैन को दूसरा लाडू चढ़ाने का सौभाग्य एचएल जैन बैनाडा परिवार को इसके अतिरिक्त तीसरा सौभाग्यशाली परिवार रहा निर्मल कुमार वीरेन्द्र कुमार जैन मोठया एवं अन्य भक्तों द्वारा निर्वाण कांड का वाचन कर 24 किलो का निर्वाण लड्डू भगवान महावीर स्वामी के समक्ष अर्पित कियो इस कार्यक्रम में संगीत दीपक जैन,शशि पाटनी एवं ख्याति जैन द्वारा दिया गया । इस दौरान भक्तों के भाव देखते ही बना रहे थे। मुनिपुंगव ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए भक्तों से कहा कि आज संसार की सारी गलियों को पार करते हुए एक महान आत्मा ने एक ऐसी ऊंचाई पाई है जो ऊंचाई संसार की प्रलय की विभीषिका से ऊपर है, जो जन्म और मरण से ऊपर है। तीन लोक भी उलट-पुलट किया जाए तो भी उनके कुछ अंतर आने वाला नहीं है। उन्होंने जिस दशा को प्राप्त की जिस क्षेत्र को प्राप्त हुए वह दशा और क्षेत्र अपरिवर्तन शील है। ऐसी अंतिम हमारे वर्तमान शासन नायक महावीर स्वामी को पावापुर उद्यान से तीन दिन के बाद आज प्रातःकाल उनको अव्याबाध सुख, सिद्धत्व की परिणति प्राप्त हुई। हम सबको ऐसे महोत्सव को मनाने का मूल लक्ष्य होता है कि हम कभी एक दिन ऐसी दशा को प्राप्त हो लेकिन अभी हम भावना भा सकते है भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण कल्याणक महोत्सव पर हे भगवान जैसा आपका निर्वाण कल्याणक मनाया गया एक दिन मैं भी इस कल्याणक का अधिकारी बनूँगा, मेरे जीवन मे भी यह घटित हो। साधु कभी बंधन को प्राप्त नहीं होते लेकिन तीन बंधन उनको बांध देते हैं आगम की आज्ञा अंदर की करुणा और हमारे संघ की गुरु आज्ञा, यह तीन बंधन ऐसे होते हैं जिनके कारण से साधुओं को बंधना होता है। साधुओं के लिए समस्त दिशाएं खुली होती है। ऐसी स्थिति में जब चातुर्मास का बंधन आया तो सारी श्रमण संस्कृति ने अनादिकाल पहले ये निर्णय किया कि साधु इस बंधन को कार्तिक वदी अमावस्या को बंधन से मुक्त होगा। हमारी तिथि इतनी पावन पवित्र थी कि भगवान महावीर स्वामी ने भी इसी तिथि को मोक्ष जाने का निर्णय किया। काल हमे पावन नही करेगा,हम काल को पावन करेंगे। आज भगवान महावीर स्वामी ने ऐसी काली अमावस्या जिसको सारी दुनिया अशुभ मानती है मजदूर भी उस दिन की कमाई नही खाता इतनी अशुभ होती है लेकिन महावीर स्वामी ने आज के दिन को ऐसे जिया कि सारी अमावस्याओं में दीपावली की अमावस्या पावन और पवित्र हो गयी । साथ ही मुनिसंघ का चातुर्मास 2023 का निष्ठापना भी हो गया। साथ ही सौभाग्य शाली भक्तों ने जुलाई में चातुर्मास मंगल कलश मंदिर जी में स्थापित किए थे उन सभी ने मंदिर जी से भव्य बैंड बाजों के साथ अपने घर की ओर प्रस्थान कर घर में स्थापित किया। आगरा की पावनधरा पर बनने जा रहे अन्तरराष्ट्रीय लोकोदय तीर्थक्षेत्र पर विशाल जीवन्त नन्दीश्वर द्वीप की रचना बनवाने की स्वीकृती ललित जैन डायमंड कार्पेट परिवार ने दी। इसके अलावा एक सहस्त्रकूट जिनालय की योजना उक्त तीर्थ में बनने की जानकारी भी पूज्य गुरुदेव निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव सुधासागर जी ने दी उन्होने उक्त तीर्थ में भविष्य में सेवाभावी योजनाओं जैसे स्कूल, कॉलेज हॉस्पिटल आदि को भी जोडने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएसी नीरज जैन जिनवाणी, निर्मल मोठया,वीरेंद्र मोठया, पन्नालाल बैनाड़ा,नवीन जैन जगदीशप्रसाद जैन हीरालाल बैनाड़ा,राजेश बैनाड़ा, मदनलाल बैनाड़ा,पंकज जैन सीटीवी, अमित जैन बॉबी, विवेक बैनाड़ा, ललित जैन,रुपेश जैन,अनिल जैन शास्त्री,नरेंद्र जैन फर्नीचर, दिलीप जैन, मीडिया प्रभारी शुभम जैन, अंकेश जैन, राकेश सेठी,पारसबाबू जैन, अमित जैन सेठी,अक्षय जैन,राकेश जैन बजाज,नरेश जैन, अनिल जैन, राकेश जैन पर्देवाले समकित जैन, दीपक जैन,बीना बैनाड़ा उषा मोठया, उमा मोठया, शशि जैन,ख्याति जैन समस्त आगरा सकल जैन समाज एवं बाहर से पधारे बड़ी संख्या गुरुभक्त भी मौजूद रहे।

रिपोर्ट:
मीडिया प्रभारी शुभम जैन

केवलज्ञान दिवस पर गुरु गौतम गणधर स्वामी को किया स्मरण

जिनवाणी की भी हुई पूजा

सनावद. शाबाश इंडिया

जैन धर्म में केवलज्ञान का विशेष महत्व है।यह तीर्थंकरों के पंच कल्याणकों में से एक है। लेकिन किसी-किसी भव्य प्राणी को परिणामों की निर्मलता तथा तपस्या के फल स्वरुप यह ज्ञान प्राप्त हो जाता है। केवलज्ञान वह दिव्य ज्ञान है जिसमे केवलज्ञानी व्यक्ति को किसी भी जीव या पदार्थ का वर्तमान, भूत और भविष्यकालीन जीवन का ज्ञान इस तरह दिग्दर्शित होता है जैसे दर्पण में मुख देखने पर व्यक्ति की साक्षात आकृति दिखाई देती है।भगवान महावीर स्वामी के बाद उनके प्रथम शिष्य इंद्रभूति गौतम को यह दिव्य ज्ञान प्रकट हुआ, उसके बाद उन्होंने 'गुणावा' नामक स्थान से मोक्ष प्राप्त किया था। उपरोक्त जानकारी देते हुए समाज के विद्वान डॉ. नरेंन्द्र जैन भारती ने बताया कि दीपावली के दिन कार्तिक कृष्ण अमावस्या को भगवान महावीर स्वामी को प्रातः निर्वाण हुआ और उसी दिन शाम को उनके प्रथम शिष्य गौतम गणधर को केवलज्ञान की प्राप्ति हुई थी। अतः देवों ने आकर उनकी पूजा अर्चना कर हमारे जीवन में भी सम्यक ज्ञान का प्रकाश आए ऐसी कामना करते हुए कृत्रिम दीप प्रज्वलित किए थे। इस दिन की याद में गुरु गौतम गणधर स्वामी की पूजा अर्चना की जाती है। सोमवार को जैन समाज ने शाम को सोलहकारण भावना के प्रतीक सोलह दीप जलाकर गुरु गौतम स्वामी का केवलज्ञान महोत्सव मनाया। समाज के प्रत्येक घर में दीपक प्रज्वलित कर खुशी जाहिर की गई। पार्श्व ज्योति मंच द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डॉ नरेन्द्र जैन भारती, हिमांशु जैन, प्रियम जैन, शुभम जैन, संध्या जैन कल्पना जैन, प्रिया जैन और वीनस जैन ने भाग लिया तथा ज्ञानदीप प्रज्वलित कर गुरु गौतम स्वामी के प्रति श्रद्धा समर्पित की। केवल ज्ञान दिवस पर गुरु गौतम गणधर स्वामी को किया स्मरण ज्ञान दीप प्रज्वलित कर जिनवाणी की हुई पूजा।

जैन धर्म में केवलज्ञान का विशेष महत्व है। यह तीर्थंकरों के पंच कल्याणकों में से एक है। लेकिन किसी-किसी भव्य प्राणी को परिणामों की निर्मलता तथा तपस्या के फल स्वरुप यह ज्ञान प्राप्त हो जाता है। केवलज्ञान वह दिव्य ज्ञान है जिसमे केवलज्ञानी व्यक्ति को किसी भी जीव या पदार्थ का वर्तमान, भूत और भविष्यकालीन जीवन का ज्ञान इस तरह दिग्दर्शित होता है जैसे दर्पण में मुख देखने पर व्यक्ति की साक्षात आकृति दिखाई देती है।भगवान महावीर स्वामी के बाद उनके प्रथम शिष्य इंद्रभूति गौतम को यह दिव्य ज्ञान प्रकट हुआ, उसके बाद उन्होंने ' गुणावा' नामक स्थान से मोक्ष प्राप्त किया था।

भगवान महावीर मोक्षकल्याणक पर निर्वाण लाडू अर्पित

कांग्रेस प्रत्याक्षी दिनेश गुर्जर ने लिया आशीर्वाद

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। भगवान महावीर स्वामी का 2550वा मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी ने आज से 2550 वर्ष पूर्व कार्तिक कृष्ण अमावस्या को मोक्ष प्राप्त किया था। भगवान महावीर स्वामी के मोक्ष प्राप्ति दिवस पर निर्वाण लाडू अर्पित किया गया। मोक्ष कल्याणक के पावन पर्व पर सभी जैन मंदिरों में आकर्षक सजावट की गई थीं । प्रातःकालीन बेला में सभी साधर्मी महिला पुरुष बच्चों ने भगवान महावीर स्वामी की विशेष पूजा अर्चना की । सर्वप्रथम भगवान महावीर स्वामी का स्वर्ण कलशों से जलाभिषेक, शांतिधारा करने का सौभाग्य महेंद्रकुमार शास्त्री परिवार एवम पंकज जैन मेडिकल परिवार को प्राप्त हुआ । प्रथम निर्वाण लाडू अर्पित करने का सौभाग्य शीलचंद बाबूजी दिनेश जैन परिवार को एवम 24 अन्य भक्तों को प्राप्त हुआ । इस अवसर पर श्री जिनेन्द्र प्रभु के चरणों में राकेशकुमार लोकेश जैन नायक परिवार द्वारा चांदी का सिंहासन भेंट किया गया। निर्वाण महोत्सव की सभी धार्मिक क्रियाएं महेंद्रकुमार शास्त्री मुरैना, संजय शास्त्री सिहोनिया, मनोज शास्त्री भिण्ड ने सम्पन्न कराई। संगीतकार मनीष जैन एंड पार्टी मुरेना द्वारा अपने संगीतमय भजनों द्वारा भगवान महावीर स्वामी का गुणगान किया गया। भक्तिमय भजनों पर सभी नर नारियों ने भक्तिपूर्ण नृत्य किया। अष्ट द्रव्य से भगवान का पूजन किया गया। मोक्ष कल्याणक के अवसर कांग्रेस प्रत्याशी दिनेश गुर्जर ने जैन मंदिर में उपस्थित होकर भगवान महावीर स्वामी को नमोस्तु निवेदित कर आशीर्वाद प्राप्त किया एवम उपस्थित सभी समाज बंधुओं को दीपावली एवम निर्वाण दिवस की शुभकामनाएं दीं। जैन समाज की ओर से मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने गुर्जर का सम्मान किया। इस अवसर पर प्रेमचंद जैन, राजेंद्र भंडारी, मंत्री धर्मेंद्र जैन एडवोकेट, शीलचंद जैन, नत्थीलाल जैन, उपाध्यक्ष अभिषेक जैन टीटू, कोषाध्यक्ष राजकुमार जैन राजू, अनिल जैन व्याख्याता, पदमचंद चौधरी, मनोज नायक, सुनील जैन पुच्ची, ब्रजेश जैन दादा, विवेक जैन विक्की, शैंकी जैन, सीए गौरव जैन, पारस जैन, मुन्नी साहुला, ममता जैन, सरला जैन सहित सैकड़ों की संख्या में साधर्मी बंधु, माता बहिनें उपस्थित थीं ।

मोक्ष निर्वाण महोत्सव व पिछी परिवर्तन समारोह हुआ धुलियान में

धुलियान पश्चिम बंगाल. शाबाश इंडिया। गुरू माँ 105 आर्यिका विन्ध्य श्री माताजी ससंघ के सानिध्य में धुलियान के जिन मंदिर में 13 नवम्बर 23 को भगवान महावीर का निर्वाण क्षेत्र पावापुरी की रचना के साथ 2550 वां निर्वाण महोत्सव का लड्डु हर्षोल्लास के साथ चढ़ाया गया तथा चातुर्मास का निष्ठापन हुआ व 14 नवम्बर 23 को धुलियान श्री मंदिर जी में गुरू माँ 105 आर्यिका विन्ध्य श्री माताजी ससंघ का पिछी परिवर्तन समारोह का भव्य आयोजन हुआ जिसमें चित्र अनावरण, दीप-प्रज्वलन, शास्त्र भेंट, गुरु पुजन, वस्त्र भेंट, पीछी परिवर्तन, मंगल प्रवचन आदी का भव्य आयोजन हुआ, आयोजन में मुर्शिदाबाद जिलाके व बाहर के गणमान्य उपस्थित थे। **संकलन:** संजय बड़जात्या धुलियान

युगद्दष्टा आचार्य श्री ज्ञानसागर जी का चतुर्थ समाधि दिवस

शांति सागर जी महाराज छाणी परंपरा के षष्ट पट्टाचार्य, सराकोद्धारक के नाम ज्यादा जाने जाते थे

श्रम दिवस 1 मई को जिनका जन्म दिवस एवं महावीर मोक्ष कल्याणक के दिन समाधि

आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज इस युग के श्रेष्ठ आचार्यों में से एक थे। जिनमें भगवान महावीर का प्रतिबिम्ब झलकता था । जिनका वर्णन शब्दों में कर पाना बेहद कठिन ही नही, असंभव है जिनके व्यक्तित्व को कवि की कविता, चित्रकार के चित्र, वक्ता के शब्द, लेखक की कलम भी व्यक्त नहीं कर सकती । आचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज का व्यक्तित्व हिमालय से ऊँचा और सागर से भी गहरा था ।

बाल्यकाल में बीजा रोपण

चंबल के बीहड़ जिला-मुख्यालय मुरैना (मध्य प्रदेश) में श्रावक श्रेष्ठी श्री शांति लाल जी, अशर्फी देवी जी के घर आंगन में 1 मई 1957, प्रातः 6:00 बजे बालक 'उमेश' ने जन्म लिया। जब बचपन में खेलने की उम्र होती है उस समय वह खेल- खेल में देवता की प्रतिमा बनाते नजर आते थे और उसे घंटो तक निहारते रहते थे और प्रतिमा को आधार बनाकर, ध्यान लगाते रहते थे, कक्षा के प्रतिभाशाली छात्र के रूप में आप विद्यालय के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के रुप में जाने जाते थे ।

संस्कारों का अंकुरण

अपने दादाजी श्री शंकर लाल जी के साथ संस्कारों की सीढ़ी पर उमेश ने चलना सीखा और मुनिसंघो के दर्शन कर अपने जीवन को वैराग्यमय बनाने का संकल्प ले लिया । फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश) में जब दादाजी के साथ आचार्य श्री विमल सागर जी महाराज के दर्शनार्थ पहुंचे तो वहां हो रहे केशलोंच को देखकर बालक मन मैदान में पड़ी धूल को सिर पर डालकर अपने बालों को उखाड़ने लगा मानो वह दृढ़ निश्चयी बालक उमेश केशलोंच का अभ्यास कर रहा हो तभी वहाँ बैठे श्रद्धालुओं ने बालक को रोक दिया लेकिन कुछ उखड़े बालों ने पूरे बाल बनवाने को मजबूर कर दिया परन्तु यह तय हो गया कि केशलोंच तो किया ही जा सकता है और संस्कारों का अंकुरण प्रारंभ हो गया ।

किशोरावस्था में त्याग की प्रबलता

मात्र 13 वर्ष की आयु में बाजार की वस्तुएँ ना खाने का नियम ले लिया उमेश ने । पिच्छी और कमंडल से अनुराग, वेश ब्रह्मचर्य का और घर छोड़ने की ज़िद जारी रही, इसी दौरान संगीत के यंत्रों के साथ लौकिक शिक्षा में पारंगत उमेश ने जैन धर्म ग्रंथों का अध्ययन भी प्रारंभ कर दिया और किशोर अवस्था में त्याग की उत्कंठा को स्थापित कर त्याग मार्ग पर कदम 7बढ़ाना प्रारंभ किया ।

ब्रह्मचर्य का निश्चय एवं सांसारिक क्रियाओं से वैराग्य

जैन धर्म ग्रंथों को पढ़ते उमेश ने यह तय कर लिया कि जिस मार्ग से झ पारलौकिक कार्य किया जा सकता है तो लौकिक कार्यों में क्यों समय की बबार्दी की जाए और वे 16 वर्ष के हुए तो इनकी उदासीनता देखकर घरवालों ने विवाह के बन्धन में बाँधने का प्रयास किया, व्यापार में संलिप्त के प्रयास किए, लेकिन जिसे संसार से पार होने का उपाय करना हो वह भला इन में कहाँ रमता हायर सेकेंडरी की परीक्षा भी उन्हें रोक न सकी और मुनिसंघ के

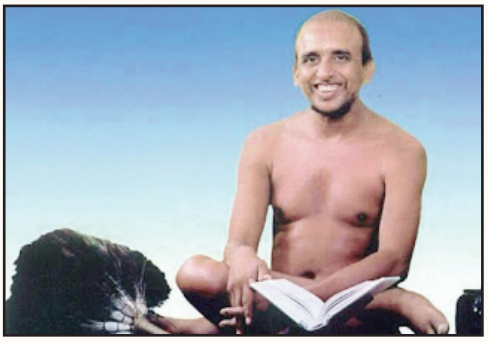

विहार के साथ उमेश ने घर से विहार कर दिया और ब्रह्मचर्य व्रत पालन एवं विवाह नहीं करने का निश्चय किया ।

आचार्य श्री विद्यासागर जी से लिया ब्रहमचर्य का नियम

उस समय वीरगांव जिला अजमेर (राज.) में विराजित इस युग के संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज से 1974 में 17 वर्षीय उमेश ने आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत ग्रहण कर लिया और विशेष परिस्थिति को छोड़कर आजीवन रेल व बस का त्याग कर दिया आचार्य श्री से ब्र. उमेश ने ''व्याकरण, तत्वार्थ सूत्र, जैन सिद्धांत प्रवेशिका'' जैसे अनेक गूढ़ मूल ग्रंथों को पढ़ा और अपने आपको जैन दर्शन का ज्ञानी बनाया ।

आचार्य सुमति सागर जी से क्षुल्लक दीक्षा

ब्र. उमेश जी को अब वह धोती झ दुपट्टा भी भारी लगने लगा और सोनागिर जी में विराजित आचार्य श्री सुमति सागर जी महाराज से 5 नवम्बर 1976 को सोनागिर सिद्धक्षेत्र में क्षुल्लक दीक्षा के संस्कार ग्रहण किए और ब्र. उमेश भैया से गुणों के सागर क्षुल्लक श्री गुण सागर जी महाराज के रूप में प्रतिष्ठापित हो गए। कर्मों के क्षय की प्रक्रिया में उन्हें क्षुल्लक अवस्था में आहार में अन्तराय आने लगे । सुकोमल काया कृष होकर तप के प्रभाव से चमकने लगी, लेकिन विचलित नहीं हुए। उन्हें त्यागीवृन्द 'अन्तराय सागर' के नाम से जानने लगे । अन्तराय से निर्भीक बने गुण सागर, अन्तराय से ध्यान हटा अध्ययन में ध्यान लगाकर अपने आप को कठोर चर्या हेतु तैयार करते रहे और अनेक ग्रंथों का अध्ययन करने लगे ।

दिगम्बरत्व में रूपांतरण

क्षुल्लक गुण सागर जी ने मोक्ष मार्ग में लंगोटी को भी बाधक माना एवं छुटकारा पाने हेतु आचार्य सुमति सागर जी महाराज से निवेदन किया । विनयपूर्ण निवेदन में साधक की दृढ़ता को देखते हुए वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की जन्म जयंती 31 मार्च 1988 को भगवान चंद्रप्रभु जी के समक्ष सोनागिर सिद्धक्षेत्र में आचार्य सुमतिसागर जी महाराज ने 2 दिगम्बर जैनेश्वरी दीक्षाएँ प्रदान की और क्षुल्लक गुण सागर जी के ज्ञान की गहराई को देखते हुए उन्हे दिगंबर मुनि श्री ज्ञान सागर महाराज के नाम से घोषित किया ।

स्वाध्याय रमण से बने उपाध्याय

मुनि दीक्षा का एक वर्ष भी पूर्ण नहीं हुआ था कि त्याग, तपस्या प्रतिभा के बल पर आचार्य श्री सुमति सागर जी महाराज ने उत्तर प्रदेश के सरधना में दिनांक 30 जनवरी 1989 को मुनि ज्ञान सागर जी को अपार जनसमूह के मध्य पंच परमेष्ठी में वर्णित चतुर्थ परमेष्ठी उपाध्याय पद प्रदान किया एवं उपाध्याय ज्ञान सागर जी के नाम से जाने लगे।

सराकोद्धारक उपाध्याय श्री

जैनों को जैनत्व की बात कहना आसान है लेकिन ऐसे जैन जो जैन होकर भी अपने आप को जैन नहीं मानते हैं लेकिन उनके वंशज श्रावक कहलाते थे आज वे 'सराक' कहलाते हैं । देश के दुर्गम प्रदेश झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा में ये घोर जंगल में निवास करते हैं । ज्ञानसागर जी ने अपने ज्ञान के नेत्र खोले और इन प्रदेशों के बीहड़ क्षेत्र तडाई ग्राम (जिला रांची) में अपने बिछुड़े हुए भाइयों के पास पहुंच गए थे, जहाँ श्रावक की चर्या असंभव हो वहां एक मुनि का पहुँचना बड़े आश्चर्य का विषय था । लेकिन स्व-पर कल्याण के लिए निकले संत को एक विश्वास था जो होगा वह जैनत्व के लिए गौरव होगा । ज्ञान सागर जी ने सराक बाहुल इलाके में चातुर्मास स्थापित किया, झोपड़ियों में निवास कर अपने बिछुड़े सराको श्रावक होने का आभास कराया । उपाध्याय श्री ने सराको को उनका इतिहास बताया । सराकों के पूर्वजों ने जैनत्व को धारण किया यह जानकारी देकर उन्हे गर्व की अनुभूति करवाई। ज्ञान सागर जी की प्रेरणा से सराक क्षेत्रों में धार्मिक पाठशाला, मंदिर, अनेक चिकित्सालय चल रहे हैं, छात्रवृत्तियां दी जा रही है, अनेक शिक्षण प्रशिक्षण शिविर चल रहे हैं, तीर्थयात्रा आदि करने का सौभाग्य प्राप्त कर रहे हैं । बेरोजगार सराक बंधुओं को ड्राइविंग, टाइपिंग, सिलाई, कढ़ाई, बुनाई आदि का प्रशिक्षण प्रदान करवाया गया और अनेक सराकों का उद्धार कर उन्हें सच्चा श्रावक बना दिया जिनके वंश गोत्र आज भी शांतिनाथ अनंतनाथ आदि तीर्थंकरों के नाम है । उपाध्याय ज्ञानसागर जी ने मुश्किल कार्यो को आसान किया और जैन समाज की मुख्यधारा में सराकों को सम्मिलित कराया । तभी से वे ''सराकोद्धारक'' के रूप में प्रसिद्ध हो गए थे ।

जैनत्व गौरव को बढ़ाती गोष्ठियां व सम्मेलन

अपने ज्ञान गुण के माध्यम से ज्ञानसागर जी निरंतर चिंतनशील रहते थे । उन्होंने नए सिरे से ए बी सी डी लिख दी थी । 'ए' से एडवोकेट फोरम, ' बी' से बैंकर्स फोरम, ' सी' से चार्टर्ड अकाउंटेंट फोरम, ' डी ' से डॉक्टर्स फोरम, ' इ' से इंजीनियर्स फोरम आदि । वे अनुभव करते थे कि यदि हम हमारे उच्च शिक्षित व्यवसायिक डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, प्रशासकीय-शासकीय अधिकारी, बैंक कर्मी , शिक्षक, वैज्ञानिक, विद्वान आदि को संगठित कर उनको जैनत्व के उन्नयन में सहायक बनायें तो अहिंसा, शाकाहार, अपरिग्रह का संदेश बहुत जल्दी प्रसारित होगा। इस तरह ज्ञान सागर जी ने अनेक सम्मेलन गोष्ठियाँ आयोजित कर सबको संगठित किया । आज अनेक संगठन जैन जगत के गौरव को स्थापित करने में निरंतर लगे हुए हैं। आचार्य श्री द्वारा की जाने वाली गतिविधियों में जेलों में प्रवचन एक अहम भाग था । सैकडों कैदियों को सुधारने कि दृष्टि से आचार्य श्री जेलों में प्रवचन दिया करते थे । जेल अधिकारी उस समय दंग रह जाते थे जब प्रवचन के दौरान कैदी रो पड़ते थे और आजीवन मांस, मदिरा, जुआ आदि का त्याग कर देते थे। उत्तर- दक्षिण, पूर्व- पश्चिम सभी प्रदेशों में आपके पद विहार हुए हैं।

नमक के पानी में नहाने से क्या होता है?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

काफी समझदारी वाला सवाल है , दिखने में ये छोटा सा काम है लेकिन लाभ अनगिनत हैं। नमक के पानी से क्यों नहाना चाहिए? नमक आपके घर से नकारात्मकता को तो कम करता ही है और यदि आप इसके पानी से नियमित स्नान करता हैं तो कई शारीरिक रोग दोष दूर होते हैं। .इस पानी से स्नान करने से आपके भीतर किसी भी बुरी शक्ति का प्रवेश नहीं हो पाता है। यह पानी आपके शरीर के लिए रक्षा कवच की तरह काम करता है। नमक के पानी से राहु के प्रभाव को कम किया जा सकता है। यदि आपकी कुंडली में राहु की दशा चल रही है तो नहाने के पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर उस पानी से नियमित रूप से स्नान करें। इस उपाय से राहु के दोषों को कम किया जा सकता है और यह जल्द ही राहु की दशा को दूर करने में भी मदद करता है। यदि आप सेंधा नमक का इस्तेमाल करेंगी तो ज्यादा लाभकारी होगा। नहाने के पानी में नमक मिलाकर स्नान करने से घर में सुख समृद्धि बनी रहती है और मानसिक तथा शारीरिक परेशानियां दूर करने में मदद मिलती है। ज्योतिष के अनुसार यदि आपके विवाह में देरी हो रही है तो आप कम से कम शुक्रवार के दिन नहाने के पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर स्नान करें। इससे शुक्र ग्रह को प्रसन्न किया जा सकता है और विवाह में आ रही अड़चनें दूर होती हैं। नमक का पानी आपका भाग्योदय करने में मदद करता है और सकारात्मकता लाने के साथ जीवन में हर काम में सफलता दिलाता है। इन्हीं कारणों से ज्योतिष और विज्ञान दोनों में यह सलाह दी जाती है कि नहाते समय पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर स्नान करें जिससे आपके जीवन से नकारात्मक शक्तियां दूर हो सकें।

नमक के पानी से नहाने के कई फायदे हैं

म्यूनिटी मजबूत होती है, इंफेक्शन और एलर्जी से बचाव होता है, मौसमी बीमारियों से सुरक्षा होती है, दर्द से राहत मिलती है, खुजली से छुटकारा मिलता है, डैंड्रफ दूर होता है। त्वचा मुलायम होती है, त्वचा ग्लोइंग होती है, त्वचा की कोशिकाओं का विकास अच्छा होता है, त्वचा के दाग, धब्बे और झुर्रियों पर सकारात्मक असर पड़ता है यदि आप हॉस्पिटल से दवाई लेकर घर आये हैं , या हॉस्पिटल किसी से मिल कर आये हैं। घर आते ही नमक के पानी से जरूर नहाएं। किसी के अंतिम संस्कार या किसी मृत्यु शोक सभा से घर आये हैं तो एक चुटकी नमक डाल कर जरूर नहाएं। इसके वैज्ञानिक और ज्योतिषीय दोनों लाभ हैं, नकारात्मक ऊर्जा आस पास भी नहीं आएगी यदि आप वास्तु की मानें तो आपके बाथरूम में नमक जरूर होना चाहिए। इससे आपके जीवन में सदैव खुशहाली बनी रहती है, घर के वास्तु दोषों से मुक्ति मिलती है। नमक नकारात्मक ऊर्जा कम करता है। फार्मा ग्रेड एप्सोम साल्ट में मैग्नीशियम सल्फेट प्रचुर मात्रा में होता है। नहाने के लिए ये सबसे लाभदायक नमक है।

उदयपुर में 1000 किलो गाय के गोबर से बने 11 गुणा 11 फीट के गोवर्धन

घर- गली - मोहल्ले में भी पूजा हुई गोर्वधन की

उदयपुर. शाबाश इंडिया

दिवाली के दूसरे दिन देश के अधिकांश प्रांत और शहरों में गोवर्धन पूजा धूमधाम और उल्लास से की जाती है। ऐसा माना जाता है इंद्रदेव ने अपना रुतबा दिखाने जब मथुरा और वृंदावन में तेज बारिश की तो भगवान कृष्ण ने अपनी उंगली पर गोवर्धन पर्वत को सात दिन तक उठाकर ग्रामवासियों की रक्षा की। इसीलिए ऐसी भी मान्यता है कि दिवाली के बाद अगर कृष्ण के सम्मान में गोर्वधन पूजा की जाए तो घर में सुख समृद्धि आती है। दरअसल, इस साल दिवाली पर सूतक काल और बाद में सूर्य ग्रहण के कारण दो दिन बाद यानि दूज की तिथि

पर शहर और आसपास क्षेत्र में बुधवार सुबह गोवर्धन पूजा की गई। हालांकि कई जगह दोपहर बाद दूज तिथि लगने के कारण भाई बहिन के स्नेह का प्रतीक भैया दूज पर्व भी मनाया गया।

चर्चा में रहे शहर में सबसे विशाल गोवर्धन

विद्याभवन कृषि विज्ञान केन्द्र, बडगांव, उदयपुर के डेयरी पर संभाग का 11 गुणा 11 फीट का सबसे बड़ा गोवर्धन बनाकर पूजा गया। विद्याभवन के संजय धाकड़ ने बताया कि यह पूजा प्रक्रिया पिछले 40 साल से बदस्तूर सतत जारी है। इस साल यहां पाली जा रही करीब पौने दो सौ से अधिक गायों के 10 किवंटल गोबर (दो ट्रेक्टर ट्रोली) से श्री कृष्ण और बलराम स्वरूप को पांच लोगों ने चार घंटे समय और श्रम से मक्की के दाने, घास (सानी), फूलों-मालाओं आदि से सजाकर तैयार किया। इसके बाद पंडित द्वारा विधि पूर्वक पूजन प्रक्रिया संपन्न हो जाने पर गायों को गोवर्धन के ऊपर से रौंदते हुए निकाला गया। पूजा के दौरान भगवान को रोली, अक्षत, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य आदि चढ़ाया गया। खील बताशे, अन्नकूट, कढ़ी चावल और 56 भोग लगाए और गोवर्धन की कथा पढ़ी सुनाई गई। इसके बाद गोबर से तैयार गोवर्धन की परिक्रमा के साथ पूजा संपन्न हुई। पूजन के समय डॉ. प्रफुल चन्द्र भटनागर, संस्था प्रमुख गोपाल बम्ब, विद्याभवन के पूर्व छात्र एवं अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

फोटो एवं रिपोर्ट:
राकेश शर्मा 'राजदीप'

अंतर्राष्ट्रीय वैवाहिक युवक-युवती परिचय सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा इंदौर में 24 दिसम्बर को होगा आयोजन, राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा दुर्गापुरा में सभा आयोजित की गई

जयपुर. शाबाश इंडिया। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर की फेडरेशन द्वारा 24 दिसम्बर 2023 को इंदौर में आयोजित होने अंतर्राष्ट्रीय वैवाहिक युवक-युवती परिचय सम्मेलन के सन्दर्भ में जयपुर रीजन के सदस्यों की एक सभा आज दिनांक 14 नवंबर 2023 को सांय 7:00 बजे से दुर्गापुरा जैन मंदिर परिसर में आयोजित की गई । सभा में कार्यकारिणी सदस्यों तथा यश कमल अजमेरा - राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, अतुल बिलाला - राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की गरिमा मई उपस्थिति रही। रीजन महासचिव निर्मल संघी ने बताया कि सभा में कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार यश कमल अजमेरा ने अंतर्राष्ट्रीय वैवाहिक युवक-युवती परिचय सम्मेलन पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा बटाया कि फार्म संकलन करने की अंतिम तिथि 10 दिसम्बर निश्चित की गई है । सम्मेलन की वेबसाइट **www.djsgfint.com** पर जाकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किए जा सकेंगे। रीजन अध्यक्ष ने सभी सदस्यों के साथ कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया जो कि सभी मंदिरों में लगाया जायेगा । सभा में मुख्य तकनीकी संयोजक मनीष सोगानी ,तकनीकी संयोजक अतुल छाबड़ा, शासकीय सलाहकार भारत भूषण अजमेरा, प्रचार-प्रसार- बसंत जैन भाग चंद जैन मित्रपूरा वाले , स्मारिका संयोजक- सुरेश जैन बांदीकुई, सुनील बज, रमेश छाबड़ा, राजेश चौधरी, नीरज जैन, सतीश बाकलीवाल, डॉ इन्दर प्रकाश जैन, चंदा सेठी, क्षेत्रीय संयोजक मोहन लाल गंगवाल, प्रमोद सोनी, गिरीश जैन, संगीता अजमेरा, सीमा बड़जात्या, सोनल जैन सोनी, सुशीला बड़जात्या, एडवोकेट ममता शाह, जितेंद्र कुमार जैन, सरोज छाबड़ा की ओजस्वी उपस्थिति रही ।

आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज का चतुर्थ समाधि दिवस आज 15 नवंबर को

ज्ञान तीर्थ पर होगी महाअर्चना एवं संत श्री के जीवन पर व्याख्यान माला

मुरैना/अम्बाह. शाबाश इंडिया

आचार्यश्री शांतिसागरजी महाराज छाणी महाराज की परम्परा के षष्ठ पट्टाचार्य, सराकोद्धारक राष्ट्रसंत आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज के चतुर्थ समाधि दिबस पर श्री ज्ञान तीर्थ मुरैना पर आज बुधवार 15 नवंबर को धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जैन संत श्री ज्ञेय सागर जी महाराज के सानिध्य में तीर्थ स्थल पर पाद प्रक्षालन, संत श्री की महाआरती, महा अर्चना एवं गुरुवार का गुणानुवाद जैसे आयोजन प्रातः 7:00 बजे से प्रारंभ किए जाएंगे इस अवसर पर भक्तों के ज्ञान तीर्थ तक पहुंचाने के लिए मुरैना जैन मंदिर पर वाहनों की व्यवस्था भी की गई है। यह कार्यक्रम ज्ञान ज्ञेय वर्षा योग समिति मुरैना द्वारा आयोजित किया गया है। इस सम्बंध में संत श्री ज्ञेय सागर जी महाराज ने बताया कि मुरैना में जन्मे संत श्री ज्ञान सागर जी महाराज ने अहिंसा, शाकाहार, सामाजिक सरोकार के साथ प्राणी मात्र के प्रति संवेदनशील होकर अपनी चर्या में दृढ़ रहकर दिगम्बर मुनि के रुप में उत्तर- दक्षिण- पूर्व- पश्चिम संपूर्ण भारत की पद यात्रा की थी आपके 43 वर्ष के दीक्षाकाल में वार्षिक जैन प्रतिभा सम्मान समारोह, इंजीनियर्स सम्मेलन, डॉक्टर्स सम्मेलन, अभिभाषक सम्मेलन, प्रशासनिक/पुलिस अधिकारियों का सम्मेलन, पत्रकार सम्मेलन, कर्मचारी/अधिकारी सम्मेलन, जैन विधायकों एवं सांसदों का सम्मेलन, वैज्ञानिक सम्मेलन, सी.ए.कांफ्रेंस, बैंकर्स कांफ्रेंस, सराक सम्मेलन, ज्योतिषी सम्मेलन, एकेडमिक एडमिनिस्ट्रेटर कांफ्रेंस, आई.आई.टी.छात्र सम्मेलन, जैन कॅरियर काउंसलिंग आदि के तमाम सफल आयोजन कराये,साथ ही कोरोना संकट के दौरान भी गुगल मीट के माध्यम से कई आयोजन संपन्न कराये। जैन संत ने बताया कि संत ज्ञान सागर जी महाराज के चतुर्थ समाधि दिवस पर आज उनकी प्रेरणा से निर्मित ज्ञान तीर्थ पर भी अनेक धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसमें सभी समाजजन संत ज्ञान सागर जी महाराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अपने शब्दों में गुणानुवाद करेंगे।

विश्व में अमन चैन, सुख-शांति और समृद्धि के लिए की वृहद शांतिधारा

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर के एस एफ एस स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मंगलवार 14 नवम्बर को विश्व में अमन चैन, सुख शान्ति और समृद्धि के लिए वृहद शांति धारा की गई। अध्यक्ष राजेश काला एवं मंत्री सोभाग मल जैन ने बताया कि सुरेंद्र जैन, सुनीता जैन, शुभम - तन्वी एवं आयुषी हल्दैनिया सुमेर नगर वालों द्वारा सुख शांति हेतु शांति धारा का पुण्यार्जन किया गया। रवि जैन, मधु नाथ जैन के स्वास्थ्य लाभ हेतु, विनोद जैन लुहाडिया के स्वास्थ्य लाभ, रोशन गोधा द्वारा सुख शांति तथा अपूर्व सोगानी परिवार की तरफ से सभी की सुख शांति हेतु शांति धारा की गई। विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक शांतिधारा करने का उद्देश्य देखने वाले, सुनने वाले, जिसका भी जन्मदिन हो, शादी की सालगिरह हो, पुण्यतिथि हो, रोग ग्रस्त हो या जो भी मनो भावनाएं हो वो सभी पूरी हो तथा सभी देशवासियों को शांति धारा का पुण्य लाभ मिले, इसी भावना से जैन मंदिरों में मंत्रोच्चार के साथ श्री जी के ऊपर शांतिधारा की जाती है। श्री वर्धमान दिगबर जैन समिति श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस राजावत फार्म मानसरोवर जयपुर की ओर से प्रतिदिन मंदिर जी में शांतिधारा की जा रही है।

गिरनार तीर्थ की रक्षार्थ दीपावली पर जैन समाज ने किया अनशन

भगवान नेमीनाथ के जयकारों के साथ शुरू हुआ जैन संतों एवं सम्पूर्ण समाज का सांकेतिक अनशन। देश में राजस्थान जैन सभा जयपुर के आव्हान पर कई स्थानों पर हुआ अनशन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दीपों के त्यौहार दीपावली पर जैन संतों सहित सकल जैन समाज जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर भगवान नेमीनाथ की मोक्ष स्थली गिरनार तीर्थ की रक्षा हेतु जयपुर सहित देश के कई शहरों में सांकेतिक अनशन हुआ । राजस्थान में समाज की प्रादेशिक स्तर की एक मात्र पंजीकृत संस्था राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में सम्पूर्ण प्रदेश में जिलों एवं तहसील स्तरों सहित गांवों में जैन मंदिरों पर तीन घंटे का सांकेतिक अनशन किया गया। सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि राष्ट्र सन्त आचार्य सुनील सागर महाराज की प्रेरणा से सम्पूर्ण देश के जैन संतों ने रविवार, 12 नवम्बर दीपावली को आहार चर्या का त्याग किया तथा मौन रहकर अनशन किया। सन्तों का अनशन सहन नहीं - जागो सरकार जागो अभियान के तहत सम्पूर्ण जैन समाज दिगम्बर एवं श्वेतांबर पूरे राजस्थान प्रदेश में शहरों, कस्बों एवं गांवो में सिद्ध क्षेत्र श्री गिरनार जी तीर्थ की रक्षा के लिए तथा भाजपा के पूर्व सासंद महेश गिरी द्वारा गिरनार तीर्थ एवं जैन संतों के विरुद्ध अनर्गल टिप्पणी करने के विरोध में रविवार को प्रातः 9 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक सामूहिक सांकेतिक अनशन किया गया। सभा के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक जयपुर में नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां में जयपुर जैन समाज एकत्रित हुआ। अन्न जल का त्याग रखते हुए तीन घंटे का सामूहिक सांकेतिक अनशन किया। अनशन के दौरान विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का सामूहिक जाप किया गया। तत्पश्चात नेमीनाथ चालिसा तथा भजनों के माध्यम से भगवान नेमीनाथ की स्तुति की गई। अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, एडवोकेट सुधान्शु कासलीवाल एवं महामंत्री मनीष बैद ने सम्बोधित करते हुए गिरनार तीर्थ की वस्तु स्थिति बताई। मंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक सांकेतिक अनशन में राजस्थान जैन सभा सहित समाज की कई संस्थाओं तथा मंदिर कमेटियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सहभागिता निभाई।